● सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 149, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार, 07 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

26/11 के हीरों का राज ठाकरे से सवाल 5

शुभमन एक टेस्ट में 430 रन बनाने वाले पहले भारतीय 6

आज दुनिया को एक नई व्यवस्था की जरूरत है : पीएम

ब्रिक्स समिट में शामिल हुए पीएम मोदी, कहा-एआई के युग में हर हफ्ते तकनीक अपडेट होती है

रियो डी जेनेरियो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश दौरे के चौथे चरण में ब्राजील पहुंचे। पांच देशों की यात्रा पर निकले पीएम मोदी सबसे पहले घाना गए थे। इसके बाद उन्होंने कैरेबियन देश- त्रिनिदाद एंड टोबैगो का दौरा किया। यात्रा के तीसरे चरण में पीएम मोदी अर्जेंटीना गए। अब विदेश दौरे के चौथे पड़ाव पर पीएम मोदी चार दिनों के लिए ब्राजील में रूके हैं। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में वे नामीबिया जाएंगे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार रहा है। चाहे विकास की बात हो, संसाधनों के वितरण की बात हो या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता नहीं दी गई है। जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी पहुंच जैसे मुद्दों पर

ग्लोबल साउथ को अक्सर सिर्फ औपचारिक इशारे ही मिले हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा 20वीं सदी में बनी वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में असमर्थ हैं। चाहे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष हों, महामारी हो, आर्थिक संकट हो या साइबरस्पेस में नई उभरती चुनौतियां हों, इन संस्थाओं के पास कोई समाधान नहीं है। 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा, आज दुनिया को एक नई, बहुध्रुवीय और समावेशी विश्व व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में व्यापक सुधारों से करनी होगी। सुधार केवल प्रतीकात्मक नहीं होने चाहिए, बल्कि उनका वास्तविक प्रभाव भी दिखना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 20वीं सदी में गठित वैश्विक संस्थाओं में मानवता के दो तिहाई हिस्से को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाले देशों को निर्णय लेने वाली मेज पर जगह नहीं दी गई है। यह केवल प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं है, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है। ग्लोबल साउथ के बिना ये संस्थाएं सिम कार्ड वाले मोबाइल की तरह लगती हैं, लेकिन नेटवर्क नहीं।

17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा एआई के युग में, जहां हर हफ्ते तकनीक अपडेट होती है, यह स्वीकार्य नहीं है कि कोई वैश्विक संस्थान 80 साल में एक बार भी अपडेट न हो। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते।

17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ब्रिक्स का विस्तार और नए मित्रों का जुड़ना इस बात का सबूत है कि ब्रिक्स एक ऐसा संगठन है जो समय के हिसाब से खुद को बदल सकता है। अब हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन और बहुपक्षीय विकास बैंकों जैसी संस्थाओं में सुधार के लिए भी यही इच्छाशक्ति दिखानी होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, वैश्विक चुनौतियों से निपटने और साझा मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में फैमिली फोटो के लिए ब्रिक्स देशों के नेताओं के साथ शामिल हुए।

वनवासियों के कल्याण के लिए करें सभी प्रबंध : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्नेह का बंधन एकतरफा नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए। सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोजगार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीड-बैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट

के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेसी जीरो करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबालाईजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबालाईजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबालाईजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है।इस निर्णय से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबालाईजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी।

सुपरपावर देशों की तानाशाही से टकराव का माहौल

नितिन गडकरी बोले- कभी भी हो सकता है विश्व युद्ध

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि दुनिया में रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी स्थिति बन रही है जिससे कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में बियॉन्ड बॉर्डर्स नाम के पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़ी महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के चलते दुनिया से समन्वय, सौहार्द और प्रेम खत्म होता जा रहा है। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया में

संघर्ष का वातावरण है। रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान के बीच युद्ध जारी हैं। ऐसे हालात बन रहे हैं कि कभी भी वर्ल्ड वॉर जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की धरती है, जिसने दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश दिया है। नितिन गडकरी ने कहा कि युद्ध की तकनीक अब पूरी तरह बदल चुकी है। अब टैंक और पारंपरिक विमान कम उपयोगी हो गए हैं, जबकि मिसाइल और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा अब मिसाइलें सीधे नागरिक बस्तियों पर गिराई जा रही हैं, जिससे मानवता की रक्षा करना मुश्किल होता जा रहा है। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर वैश्विक स्तर पर चर्चा की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि बड़ी महाशक्तियां जो दुनिया पर अपना दबदबा बनाना चाहती हैं, उनकी तानाशाही और अधिकारवादी रवैये के कारण दुनिया में समरसता खत्म होती जा रही है।

एलन मस्क ने बताई अमेरिका पार्टी बनाने की वजह

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप से रिश्ते बिगड़ने के बाद अब अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी अमेरिका पार्टी का एलान कर दिया है। शनिवार को मस्क ने कई सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था की तीखी आलोचना की और कहा कि हम एक पार्टी व्यवस्था में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं। एलन मस्क ने लिखा कि नई गठित अमेरिका पार्टी, असल में अमेरिकी लोगों का प्रतिनिधित्व करेगी। मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेटिक पार्टी पर निशाना साधते हुए लिखा कि हमने लाल को देखा, नीले को देखा, लेकिन अब अमेरिका कुछ नए के तैयार है, जो असल में काम करे।

भारत-चीन निभा सकते हैं वैश्विक विकास में बड़ी भूमिका : सीतारमण

रियो डी जेनेरियो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक के दौरान रूस, ब्राजील और चीन के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। यह जानकारी वित्त मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर साझा की है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि रूसी वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ अपनी बैठक में सीतारमण ने भारत-रूस की दीर्घकालिक साझेदारी को दोहराया और पहलगाम में हालिया आतंकी हमले के बाद समर्थन देने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आभार जताया। उन्होंने विशेष और विशेषाधिकार

प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की मजबूती को रेखांकित किया। बैठक में वित्तीय सहयोग,न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) और ब्रिक्स के नए कदमों पर चर्चा हुई। उन्होंने 2024 में रूस की सफल ब्रिक्स अध्यक्षता की भी सराहना की और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, वित्त मंत्री सीतारमण ने ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच वैश्विक दक्षिण की आवाज बुलंद करने, सीओपी30 से पहले जलवायु वित्त, यूएन, जी20, डब्ल्यूटीओ, ब्रिक्स और आईबीएसए जैसे वैश्विक मंचों पर एक साथ काम करने और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की। उन्होंने बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में ब्राजील की कोशिशों की सराहना की और 2026 में भारत के ब्रिक्स अध्यक्ष बनने पर व्यावहारिक सहयोग का आश्वासन दिया। सीतारमण ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की तारीफ भी की।

इस दौरान चीनी वित्त मंत्री लैन फोआन के साथ बैठक में सीतारमण ने सितंबर 2024 में समरकंद में एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक(एआईआईबी) बैठक के दौरान हुई पिछली मुलाकात को याद किया।

गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार पर बरसे राहुल

नई दिल्ली। पटना में बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि नीतीश कुमार और भाजपा की गठबंधन सरकार ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। इससे पहले तेजस्वी यादव ने गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार को निशाने पर लेते हुए बिहार में जंगलराज होने का आरोप लगा दिया था। राहुल गांधी ने लिखा कि आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम।

मणिपुर में महिला समेत दो उग्रवादी गिरफ्तार

12 राइफल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

इंफाल। मणिपुर के थौबल और इंफाल वेस्ट जिलों में सुरक्षाबलों ने एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। जिनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चंदेल जिले के विभिन्न हिस्सों में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन प्रेपक (प्रो) की एक महिला कैडर को शनिवार को थौबल जिले के सलुंगफम इलाके से गिरफ्तार किया गया, जबकि संगठन के एक अन्य सदस्य को इम्फाल वेस्ट जिले के नगमापाल इलाके से पकड़ा गया। अधिकारी के मुताबिक राज्य में फिरौती और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए खुफिया सूचनाओं के आधार पर तलाशी अभियान और घेराबंदी की जा रही है। चंदेल जिले में शुक्रवार को तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने हथियार और गोलाबारूद बरामद किए।

नवंबर तक अतिक्रमण मुक्त होगा यमुना नदी का डूब क्षेत्र

एमसीडी सहित कई निकाय मिलकर करेंगे काम

दिल्ली। दिल्ली सरकार ने यमुना डूब क्षेत्र को नवंबर तक अतिक्रमण मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत सरकार ने एजेंसियों को नदी की सफाई और कायाकल्प के लिए 45 सूत्री कार्ययोजना के तहत नवंबर तक यमुना के डूब क्षेत्र से सभी अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पहल पर इस योजना को लेकर हाल ही में मुख्य सचिव की बैठक में कई निर्णय लिए गए।

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण (आईएंडएफसी) विभाग

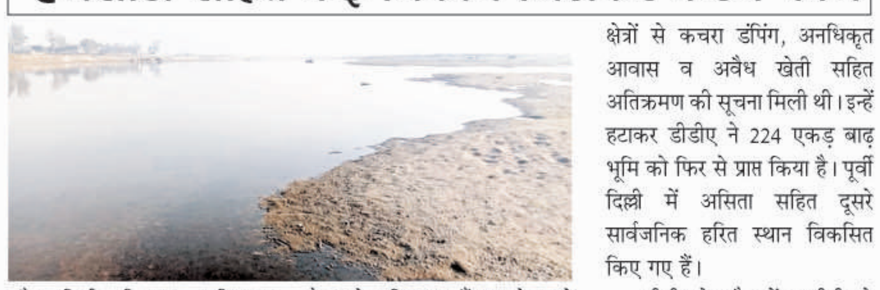

और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सहित प्रमुख विभाग और एजेंसियां मिलकर इस दिशा में काम करेंगी। योजना के तहत डीडीए को नवंबर तक यमुना के डूब क्षेत्र से जहां भी आवश्यक हो अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए हैं। इससे पहले एजेंसी ने नदी के किनारे अवैध नर्सरियों और अन्य अनधिकृत संरचनाओं के खिलाफ कार्रवाई की है। अधिकारियों ने कहा कि पूर्वी, उत्तर-पूर्व और दक्षिणी दिल्ली के बाढ़ क्षेत्रों से कचरा डंपिंग, अनधिकृत आवास व अवैध खेती सहित अतिक्रमण की सूचना मिली थी। इन्हें हटाकर डीडीए ने 224 एकड़ बाढ़ भूमि को फिर से प्राप्त किया है। पूर्वी दिल्ली में असिता सहित दूसरे सार्वजनिक हरित स्थान विकसित किए गए हैं।

डीडीए ने अप्रैल में एनजीटी को सूचना दी थी कि उसने वजीराबाद बैराज और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच यमुना वनस्थली परियोजना के तहत 24 एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है।

विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए हर साल 10 फीसदी जीडीपी ग्रोथ जरूरी : मेमानी

नई दिल्ली। भारत अगर 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करना चाहता है, तो इसके लिए हर साल औसतन 10 प्रतिशत नाममात्र जीडीपी ग्रोथ जरूरी होगी। यह बात देश के उद्योग संगठन सीआईआई (कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री) के नवनियुक्त अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कही है।

नाममात्र जीडीपी यानी देश में बनने वाले सारे सामान और सेवाओं की कीमत को मौजूदा बाजार दरों पर मापा जाता है। इसमें महंगाई को समायोजित नहीं किया जाता, जबकि असली जीडीपी में महंगाई का असर कम करके देखा जाता है। राजीव मेमानी ने कहा कि अगर भारत को 2047 तक विकसित देशों की कतार में शामिल होना है, तो अगले 20 साल तक 10 फीसदी के करीब नाममात्र जीडीपी ग्रोथ जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत की मौजूदा स्थिति अच्छी है, लेकिन उसे और मजबूत करना होगा। सीआईआई अध्यक्ष ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही अंतरिम व्यापार समझौता हो सकता है।

राफेल को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार कर रहा चीन

पेरिस। फ्रांस की सैन्य और खुफिया एजेंसियों ने अपनी एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि चीन अपने दूतावासों के जरिए फ्रांस के लड़ाकू विमान राफेल फाइटर जेट के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है और फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों की क्षमता पर संदेह पैदा करने की कोशिश कर रहा है। खासकर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष के बाद इस दुष्प्रचार में तेजी आई है। चीन, राफेल लड़ाकू विमानों के मुकाबले अपने लड़ाकू विमानों को बेहतर बनाकर पेश कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन के दूतावासों में तैनात डिफेंस अताशे विभिन्न देशों को राफेल लड़ाकू जेट नहीं खरीदने पर जोर दे रहे हैं। खासकर इंडोनेशिया को मनाने की कोशिश हो रही है, जो राफेल जेट खरीदने पर विचार कर रहा है।

ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे सहित 67 सड़के बंद

ओजरी के पास बैली ब्रिज का निर्माण कार्य जारी

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी के समीप एनएच विभाग की ओर से करीब 24 मीटर लंबे स्पान के बैली ब्रिज का निर्माण कर रहा है। मौसम का साथ मिलने पर विभाग ने काम में तेजी लाई। इसके साथ ही स्यानाचट्टी में सिंचाई विभाग की ओर से यमुना नदी में बनी झील के मुहाने से मलबा हटाने का कार्य जारी है। बीते 28 जून को यमुनोत्री हाईवे का हिस्सा ओजरी में बह गया था।

प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से सड़कों का बंद होने का सिलसिला जारी है। राज्य में ऋषिकेश- यमुनोत्री- राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 67 सड़के बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रुद्रप्रयाग जिले में चार ग्रामीण सड़कें, उत्तरकाशी में एक एनएच सहित 11 ग्रामीण सड़कें, नैनीताल में दो, चमोली में एक राज्य मार्ग सहित 21 ग्रामीण सड़कें, पिथौरागढ़ में छह ग्रामीण, अल्मोड़ा में एक राजमार्ग और एक ग्रामीण, बागेश्वर जिले में 11 ग्रामीण, पौड़ी गढ़वाल में तीन ग्रामीण, देहरादून में दो ग्रामीण और टिहरी जिले में तीन ग्रामीण सड़के मलबा आने से बंद हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक बंद सड़कों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो कश्मीर भारत का हिस्सा न बन पाता : शाह

अहमदाबाद । देश की राजनीति और कश्मीर के मुद्दे पर बड़ा बयान देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया। गुजरात के आणंद में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि अगर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो आज कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा न बन पाता। उन्होंने मुखर्जी के बलिदान और राष्ट्र के लिए उनके योगदान को याद किया।

अमित शाह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर को दी गई विशेष स्थिति का जोरदार विरोध किया था। उन्होंने एक देश में दो प्रधान, दो निशान और दो विधान नहीं चलेंगे का नारा दिया। शाह ने कहा कि मुखर्जी ने कश्मीर की एकता के लिए खुद को बलिदान कर दिया, तभी जाकर आज जम्मू-कश्मीर भारत का पूरा हिस्सा है।

गृह मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने में भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने स्वामी प्रणवानंद के साथ मिलकर बंगाल की भारत में एकता सुनिश्चित की। शाह ने कहा कि जिस पार्टी की शुरुआत मुखर्जी ने सिर्फ 10 लोगों के साथ की थी, आज वही भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है।

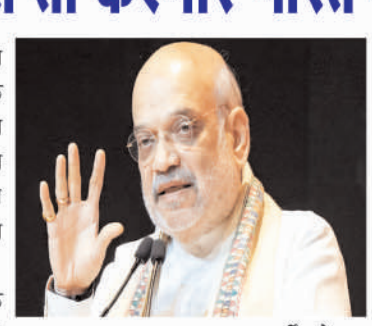

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी के बाद नेहरू मंत्रिमंडल में शामिल होकर देश की औद्योगिक नीति बनाने में अहम योगदान दिया। उन्होंने चित्तरंजन लोकोमोटिव फैक्ट्री, सिंदरी फर्टिलाइज़र और हिंदुस्तान जैसी कई संस्थाओं की नींव रखी। लेकिन बाद में नेहरू सरकार की तुष्टीकरण नीति से असहमति जताते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया और 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।

अमित शाह ने कहा कि मुखर्जी केवल राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि एक शिक्षाविद्, देशभक्त और दूरदर्शी भी थे। उनके पिता अशुतोष मुखर्जी ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर और हाई कोर्ट के जज रहते देश की शिक्षा और न्याय व्यवस्था को मजबूत किया। मुखर्जी ने भी शिक्षा, उद्योग और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी 1953 में जम्मू-कश्मीर दौरे पर गए थे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान ही 23 जून 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। शाह ने कहा कि उनके इस बलिदान ने देश को झकझोर दिया और कश्मीर की एकता का मुद्दा देश की राजनीति का अहम हिस्सा बन गया।

कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने भी मुखर्जी को याद किया। पार्टी की वेबसाइट पर उनके योगदान का जिक्र करते हुए लिखा गया कि उन्होंने देश की अखंडता, शिक्षा, उद्योग और राष्ट्रवाद के लिए जो काम किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। अमित शाह ने कहा कि आज जब देश विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहा है, तब मुखर्जी जैसे नेताओं का बलिदान याद रखना जरूरी है।

पीएचई के निविदाओं में करोड़ों का खेल

कार्यपालन यंत्री बड़कड़े प्रमुख सचिव पर पड़ रहे भारी, प्रमुख सचिव के पत्र का भी नही दिया जवाब

सिंगरौली। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सिंगरौली में दर्जन भर से ऊपर के आमंत्रित निविदाओं में व्यापक पैमाने पर हेरफेर किये जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। प्रमुख सचिव के द्वारा करीब एक दर्जन वार स्मरण पत्र भेजकर जानकारी मांगी गई। लेकिन प्रमुख सचिव एवं मुख्य अभियंता के पत्रों का जवाब नही दिया गया। मामला जल जीवन मिशन से जुड़ा है।

दरअसल जिले के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सिंगरौली भ्रष्टाचार का केन्द्र बना हुआ है। सूत्र बताते हैं कि वर्ष 2020 से लेकर अब तक करीब-करीब जितनी भी निविदाएं आमंत्रित की गई है, उनमें अनियमितता की भारी बू आ रही है। इस तरह के आरोप आम आदमी व विपक्षी दल के नेता नही लगा रहे, बल्कि प्रमुख सचिव पीएचई भोपाल एवं मुख्य अभियंता पीएचई जबलपुर परिक्षेत्र से जारी पत्राचार से पता चला है। 16 मई को मुख्य अभियंता पीएचई जबलपुर परिक्षेत्र के द्वारा एसएल धुर्वे अधीक्षण यंत्री एवं त्रिलोक सिंह बरकड़े कार्यपालन यंत्री को अर्द्धशासकीय आवश्यक पत्र जारी हुआ। जिसमें निर्देश जारी किया गया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत पीएचई खण्ड सिंगरौली में नल जल प्रदाय योजनाओं के रेट्रोफिटिंग कार्यो के लिए आमंत्रित निविदाओं में भारी अनियमितता की गई है। जिसमें 2024 से लगातार स्मरण पत्र जारी कर प्रमुख सचिव के द्वारा जानकारी मांगी जा रही है। लेकिन अभी तक पीएचई के द्वारा उक्त पत्राचार का कोई जवाब नही दिया गया है। जबकि 8 मई को प्रमुख सचिव के द्वारा जारी पत्र में एक सप्ताह के अंदर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया था, किंतु सूत्र बताते हैं कि अभी तक जानकारी नही दी गई, बल्कि उक्त पत्र को ठण्डेबस्ते में डाल दिया गया है। वही मौजूदा कार्यपालन

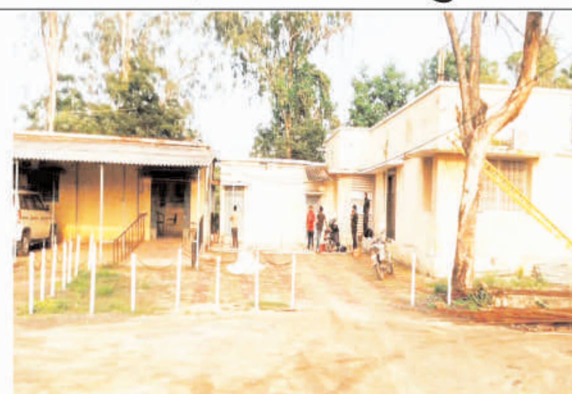

यंत्री की अब धीरे-धीरे प्याज के छिलको की तरह परत दर परत काली करतूतो का भेद खुलने लगा है। साथ ही चर्चा है कि कार्यपालन यंत्री पर किस नेता का संरक्षण मिला है। इतने गंभीर आरोप के बाद भी निलंबन के 13 दिन के अंदर बहाली कर जिस जिले में आरोप घिरे थे, वही पर पदस्थापना कर दी गई।

जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली ग्रामीण के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र द्विवेदी का कहना है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सिंगरौली में जल जीवन मिशन के तहत व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। इस घोटाले की निष्पक्ष जांच हो तो कई चौकाने वाले मामले सामने आ सकते हैं। पीएचई कार्यपालन यंत्री त्रिलोक सिंह के कार्यकाल में पिछले 2020 के बाद से जितनी भी पीएचई में निविदाएं निकाली गई हैं, सब में कुछ न कुछ त्रुटियां हैं और मामले को दबाया जा रहा है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों पर सरकार कार्रवाई करने लगती है। उन्हेंने उक्त मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है।

प्रमुख सचिव भी नही कर पा रहे कार्रवाई

पीएचई कार्यपालन यंत्री सिंगरौली पर कौन इतना मेहरवान है और निविदाओं में गड़बड़ी होने के बावजूद अब तक कार्रवाई न होना कहीं न कहीं प्रदेश सरकार की किरकिरी हो रही है। सूत्र बता रहे हैं कि प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी भोपाल भी मजबूर है। उनके कार्यालय से जारी कई पत्र इस बात का प्रमाण है कि प्रमुख सचिव कार्यपालन यंत्री पर कार्रवाई करना चाहते हैं, लेकिन कहीं न कहीं सफेद पोशधारियों का कृपा बरस जा रही है। चर्चा यहां तक है कि कार्यपालन यंत्री अपने आप को एक मंत्री का रिश्तेदार बताता है।

इन आमंत्रित निविदाओं से जुड़ा है मामला

प्रमुख सचिव पीएचई भोपाल के यहां शिकायत पहुंची थी कि खण्ड सिंगरौली में आमंत्रित निविदा क्रमांक 135352, 135385, 135387 एवं 135388 में सिंगरौली खण्डस्तरीय निविदा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों के द्वारा त्रुटी पूर्ण निविदा स्वीकृत करने वाले उत्तरदायी अधिकारियों-कर्मचारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश कई बार दिये जा चुके हैं। लेकिन उसका कोई जवाब नही आया। 16 मई को प्रमुख अभियंता पीएचई जबलपुर में अधीक्षण यंत्री रीवा एवं कार्यपालन यंत्री सिंगरौली को अंतिम बार निर्देश देते हुये कहा कि गठित तीन सदस्यीय जांच समिति के सदस्यों एवं खण्ड स्तरीय निविदा समिति के सदस्यों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव अपने सटीक एवं स्पष्ट अभिमत सहित 20 मई तक दें, लेकिन सूत्र बताते हैं कि उक्त को ठण्डेबस्ते में डाल दिया गया और कार्रवाई का कोई रतापता नही चल रहा है।

देवसर के नौढ़िया बाजार की सड़क खस्ताहाल, विभाग बना तमाशबिन

सिंगरौली। लोक निर्माण विभाग उप संभाग देवसर के समीप चन्द कदम दूर मुख्यालय के करीब नौढ़िया बाजार से लगा बायपास मार्ग की दुर्दशा से बरसात के दिनों में स्थानीय निवासियों के लिए परेशानी का सबव बन गया है।

ज्ञात हो कि देवसर मुख्यालय से लगा हुआ बायपास मार्ग आज कई वर्षों से विभागीय उपेक्षा का शिकार है। हां यह बात अलग है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्ग के मरम्मत और सुधार कार्य के नाम पर भले ही कागजों पर वर्क ऑर्डर या टेबल टेंडर किया जाता हो, किंतु बायपास मार्ग में कई वर्षों से किसी भी तरह की मरम्मत या सुधार का कार्य नहीं हुआ है और पूरे मार्ग की स्थिति अत्यंत खराब है या यह कहे कि विभागीय उपेक्षा का शिकार है। खासकर मार्ग के पश्चिमी छोर दी 39 के बगल में ही हो रहे जल भराव एवं कीचड़ की वजह से मोहल्ले वालों को आवागमन में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। साथ ही छात्र-छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में समस्याओं से जूझना पड़ रहा है और अभी हाल ही के दिनों में कुछ छात्राएं फिसलन का शिकार होकर स्कूल के बजाय घर वापस चली गयी। फिर भी लोक निर्माण विभाग तमाशबिन बना हुआ है। अत: इस ओर स्थानी लोगों ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मार्ग के मरम्मत और सुधार की मांग की है। जिससे कि छात्र-छात्राओं व आमजन का आवागमन सुलभ हो सके।

भाजपा ने बूथों पर मनाई डॉ. मुखर्जी की जयंती

सिंगरौली। जनसंघ के संस्थापक एवं आज की भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती है तथा 23 जून को मुखर्जी की पुण्यतिथि होती है, जिसे भाजपा अखिल भारतीय स्तर पर बलिदान दिवस के रूप में मनाती है । डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि 23 जून से उनकी जयंती 6 जुलाई तक को भाजपा एक विशेष पखवाड़े के रूप में भी मनाती है। जिसके अंतर्गत कई प्रकार के कार्यक्रम एवं सांगठनिक गतिविधियों का भी आयोजन होता है। डॉ. मुखर्जी के जन्म जयंती पर भाजपा ने एक विशेष प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन जिला कार्यालय के सभागार में किया। इस प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करने के लिये भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह को मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे तथा सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप मे विधायक रामनिवास एवं सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम सुमिरन गुप्ता, गिरीश द्विवेदी, वीरेंद्र गोयल मौजूद रहे।

बड़ा हादसा टला, सड़क छोड़ नदी में जा घुसा तेज रफ्तार ट्रेलर

सिंगरौली। तेज रफ्तार एक खाली ट्रेलर कोल वाहन बच्चों को बचाने के चक्कर में पुलिया के नीचे जा घुसा। यह हादसा रेलवे स्टेशन सिंगरौली के सामने चितरंगी मार्ग का है। आज दिन रविवार की दोपहर के वक्त खिरवा तरफ से तेज रफ्तार से वाहन आ रहा था।

मोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन के समीप बने छठ नदी में आज दिन रविवार की सुबह एक ट्रेलर जा घुसा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन क्रमांक जेएच 03 एएन 3851 खिरवा तरफ से आ रहा था कि जैसे ही वह रेलवे स्टेशन समीप छठ नदी के पुल पर पहुँचा की सड़क पार कर रहे बच्चों को बचाने में तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गया और नदी में जा घुसा।

शहर से लेकर ग्रामीण अंचल में निकला मोहर्रम का जुलूस

सिंगरौली। आज दिन रविवार की शाम शहर में मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। हजरते इमामे हुसैन की याद में अलम झंडो के साथ नारेए तकबीर, नारए हैदरी , हुसैन जिंदाबाद के नारों के साथ विन्ध्यनगर रोड से मरहूम छेदी मास्टर की ताजिया चौक से जुलूस शुरू हुआ । तत्पश्चात रास्ते में कई मोहल्ले के जुलूस अखाड़े मिलते गए और सभी एक साथ होकर हुसैनी मोहल्ले टॉकीज रोड जेठी ताजिया के पास पहुंचे । वहाँ पर युवाओं ने लाठी-डंडे खेल का प्रदर्शन किया। उसके बाद जुलूस आगे बढ़ाते हुए अब्दुल अहद, रब्बुल अहमद की ताजिया के पास

पहुंचा। उसके बाद इस्माईल, जिब्राइल की ताजिया के पास जुलूस पहुंचा । फिर अंबेडकर चौक पर हिर्रवाह , शान्ति नगर, गनियारी से आये हुए अखाड़े में शामिल हुए। मगरिब का वक्त होते-होते जुलूस मस्जिद के पास पहुंचा और जो लोग रोजेदार थे, वहां उनके अफ्तार के लिए व्यवस्था की गई थी । शकील अहमद सिद्दीकी ने हजरते इमामे हुसैन पाक की शान में मनकबत शरीफ पढ़े, हजरत मौलाना हाफिजों कारी मुश्ताक अहमद साहब ने नमाजे मगरिब पढ़ाई । बाद नमाजे मगरिब भी जुलूस अखाड़ा चलता रहा और कर्बला शरीफ के पास हजारों दिवानये हुसैन मौजूद रहे और फिर ईशा के नमाज के वक्त जुलूस अपने-अपने झंडो अलम के साथ अपने-अपने मोहल्लों को वापस लौटे । वही लंगर का इंतजाम जिलानी मोहल्ले , हुसैनी मोहल्ले, ईदगाह मोहल्ले , गनियारी सहित कई जगहों पर किया गया। बहुत सारे लोगों ने लंगर को इफ्तार के लिए मस्जिद में भेजा। वहीं कई जगहों पर शर्बत, पानी पिलाया गया । लंगर में भी छोटे से लेकर बड़े तक बढ़चढ़ कर शामिल हुए ।

सरई मुख्य बाजार की सड़क अतिक्रमण की चपेट में

कई बार राजस्व व परिषद ने कराई नापी, फिर भूले

सिंगरौली। जिले के नगर परिषद सरई की मुख्य बाजार सड़क मार्ग पूरी तरीके से अतिक्रमण के चपेट में है। नगर परिषद व राजस्व अमला बाजार सड़क की कई बार नापी कराई, स्थान चिन्हित किये, लेकिन अब पूरी तरीके से अतिक्रमण हटाने की मुहिम को भूल चुके हैं। जबकि ऐसा कोई दिन नही, की सरई बाजार में जाम के झाम से लोग परेशान ना हो। फिर भी अमला उदासीनता के माहौल में बेखौफ है।

जिला मुख्यालय बैढ़न से लगभग 60 किलोमीटर दूर सरई मुख्य बाजार में अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। जिन्हें किसी प्रकार से शासन-प्रशासन का डर नहीं है। व्यापारियों द्वारा एक दूसरे के होड़ में लगातार अपना सामान रोड की ओर बढ़ाया जा रहा है। जिससे रोड सकरी गली में बदल गई है। जबकि सरई को नगर का दर्जा मिल चुका है। नगर परिषद सरई का गठन हुए लगभग ढाई वर्ष पूर्ण होने को है। फिर भी नगर परिषद सीएमओ द्वारा अतिक्रमण हटाने का साहस नहीं जुटाया जा रहा है। बाजार में लगातार अतिक्रमण का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा है। अतिक्रमण के साथ ही व्यापारियों के दुकान के सामने पार्किंग के लिए जगह भी नहीं है। जिसके कारण ग्राहकों द्वारा दुकान के सामने रोड पर वाहन खड़ा किया जा रहा है। रोड पर वाहन पार्किंग का नतीजा यह है कि मुख्य सड़क पर लगातार जाम के हालात निर्मित हो रहे हैं। यह सब देखते हुए भी स्थानीय प्रशासन मौन है। जबकि सरई मुख्यालय में तहसील थाना, वन विभाग एवं न्यायालय भी संचालित है। जिससे सरई आना जाना काफी लोगों का लगा रहता है। नगर परिषद द्वारा लगभग 6 माह पहले नाम मात्र के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्यवाही न होने से दूसरे दिन ही व्यापारियों द्वारा एक दूसरे के देखा ताकी में फिर अपना टेबल पाइप, बांस-बल्ली रोड की ओर बढ़ा लिया गया है। सरई मुख्य बाजार में लगातार जाम लगने के कारण कई बार एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, पानीवाली गाड़ियां, प्रशासनिक अधिकारियों के गाड़ियां फंस जाती हैं। जाम के वजह से कई बार एम्बुलेंस में ही गर्भवती महिलाओं का प्रसव भी हो चुका है। जो अपने आप में एक शर्मिंदगी की बात है। फिर ये सांसद, विधायक व प्रशासनिक अमला इस समस्या के निदान के लिए आवश्यक कदम क्यों नहीं उठा रहे हैं। यह बात आम जन मानस के गले से नीचे नहीं उतर रही है।

दमाद ने सास के खाते से 11 लाख रूपये कैश किया पार

मामला बरगवां थाना क्षेत्र के आजादपुर का

सिंगरौली। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम घिनहागांव आजादपुर की एक बुजुर्ग महिला ने पुलिस अधीक्षक के नाम दिये शिकायती पत्र में कहा है कि मेरे मृतक पति के संयुक्त खाता से तकरीबन 11 लाख रूपये देवरानी के दमाद ने एटीएम से पार कर दिया। पीड़िता न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

घिनहागांव आजादपुर निवासी फुलमति पति स्व. ददनु साकेत उम्र 59 साल ने पुलिस अधीक्षक को दिये शिकायती पत्र में बताया कि मेरा और मेरे पति का संयुक्त खाता भारती स्टेट बैंक शाखा गोरबी में संचालित है। मेरा एक लड़का है, जिसकी दिमाकी हालत खराब है, बीते 20 दिसम्बर 2024 को एक्सीडेंट में मेरे पति की मौत हो गई थी। घटना के दौरान मेरे देवरानी का दामाद करन साकेत मेरे पति के साथ में था। कोई नजदीकि नही होने के चलते पति ने मौत से पहले करन को एटीएम व उसका पिन कोड दिया था। घर में एटीएम करन साकेत नही पहुंचाया और धीरे-धीरे खाते से एटीएम के माध्यम से सभी पैसा निकाल लिया। जब पैसे की जरूरत पड़ी तो, बैंक गई, स्टेटमेंट निकलवाया, पता चला कि खाते से एटीएम के माध्यम से तकरीबन 11 लाख रूपये गायब हैं। जब सभी रकम करन साकेत निकाल लिया, तो अभी पिछले महीने करन साकेत, गीता साकेत लोग भी घर छोड़कर चले गये और एटीएम कार्ड करन साकेत अपने साढ़ू मोहन साकेत से मेरे पास भेजवा दिया। जो मेरे पति के मृत्यु के बाद उक्त राशि निकाल लिया गया है। पीड़िता ने बरगवां थाना के साथ-साथ कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र दिया है। पीड़िता ने कहा कि मेरा एक बेटा है, जिसकी दिमागी हालत सही नही है। मैं बुजुर्ग हो चुकी हूँ, अब कहीं काम करने योग्य भी नही हूँ। मेरे पति के मौत के बाद कोई मेरा सहारा नही है। पैसा भी था तो करन साकेत छलकपट कर सभी पैसा ले लिया। अब मुझे संपूर्ण राशि दिलाये जाये और उचित कार्रवाई की जाये।

जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है: पीके

जिले में पहुंची 2634 टन यूरिया की रैंक

सिंगरौली। इस समय खरीफ फसल की बोनी प्रारंभ है। जिले भर में खाद को लेकर किल्लत बनी हुई थी। आये दिन विपक्षी दल केन्द्र व प्रदेश सरकार को घेर रहे थे। लेकिन कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के प्रयास से आज दिन रविवार को 2634 टन यूरिया की रैंक सिंगरौली पहुंच गई है। अब किसानों को यूरिया के लिए इधर-उधर नही भटकना पड़ेगा।

उपायुक्त सहकारिता ने बताया कि जिले में मार्कफेड गोदाम कचनी एवं जियावन-देवसर से नियमित रूप से किसानों को खाद का वितरण किया जा रहा है। कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने जिले में खाद की उपलब्धता की सतत् समीक्षा की जाती है। कलेक्टर के प्रयास से जिले में से 2634 टन यूरिया की एक रैंक बरगवां आ चुकी है। जहाँ से जिले की समितियों एवं गुना मार्कफेड गोदाम कचनी एवं जियावन में खाद का भंडारण कराया जा रहा है। इनके अलावा यूरिया की 2600 टन की एक और रैक सिन्दरी झारखण्ड से बरगवां रैक प्वाईन्ट पर आज दिन रविवार की शाम तक पहुंच जाएगी। जिलें के सभी समितियों के मांग अनुसार यूरिया खाद का भंडारण करा लिया जाएगा। इसके अलावा उड़ीसा पोर्ट से 2600 टन डीएपी की एक रैक बुधवार या गुरूवार तक बरगवां रैक प्वाईन्ट पर पहुंच जाएगी । जिलें में खाद की कोई कमी नही है । किसान अपने नजदीकी सहकारी समिति पैक्स या मार्कफेड गोदाम कचनी एवं जियावन-देवसर से आवश्यकतानुसार खाद प्राप्त कर सकते हैं ।

ओव्हर लोड ट्रक प्रशासन को दे रहे खुली चुनौती

सिंगरौली। बटोर लो सर, कलेजा और फेफड़ा, बोरी में भरकर ले जाओ, अब यहाँ किसी का जमीर जिंदा नहीं बचा। यह शब्द सड़क पर बिछे युवा की लाश के पास चीखती मां के नहीं, बल्कि पूरे सिंगरौली के जनाक्रोश और असहायता की चीख बनते जा रहे हैं।

हर दिन कोई न कोई हादसा, हर दिन कोई नौजवान घर से निकलता है और लाश बनकर लौटता है। लेकिन न जनप्रतिनिधियों की आँखें खुलती हैं और न प्रशासन के कानों में कोई आवाज जाती है। माजन मोड़-कचनी, परसौना-खुटार, खनुआ में हादसों के ताजा उदाहरण सड़के कब्रगाह बन चुकी हैं। हाल ही में माजन मोड़, कचनी और खनुआ के पास हुई दर्दनाक घटनाओं ने साबित कर दिया कि

आये दिन हो रही मौत, फेल हो रहा प्रशासन

सिंगरौली में न व्यवस्था है, न सुरक्षा और न ही संवेदना। औद्योगिक नगरी होने के बावजूद, यहां की सड़कों पर दौड़ते ओव्हरलोडेड ट्रक और बेलगाम ट्रेलर, सिस्टम की पूरी नाकामी को उजागर करते हैं। ये वाहन रफ्तार से नहीं, बेफिक्री और प्रशासन के संरक्षण से दौड़ते हैं।

धृतराष्ट्र बना सिस्टम, नजरें मूँद ली गई हैं

कोयला और राख परिवहन के नाम पर हो रहा यह मौत का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा। कितने घरों के चिराग बुझ गए, कितनी माओं की गोद सूनी हो गई, लेकिन एसी ऑफिसों में बैठे अधिकारी और सत्ता के नशे में चूर नेता धृतराष्ट्र बनकर सब देख रहे हैं, फिर भी अंधे बने हुए हैं। जिसके चलते आये दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। इन हादसों को रोकने के लिए केवल कागजी घोड़ा दौड़ाया जा रहा है। आरोप है कि ठोस निर्णय न लेने के कारण ट्रांसपोटरों के चालक बेफिक्र होकर तेज गति से वाहन चलाते हैं। जिसके चलते आये दिन किसी न किसी घर का चिराग बूझ जा रहा है। अब धीरे-धीरे लोग जागरूक होकर आंदोलन के राह पर चलने की रणनीति बनाने के लिए बैठको का दौर शुरू कर दिया है।

खनुआ में आधी रात तक हुआ हंगामा

खनुआ नया से लंघाडोल सड़क मार्ग में हिरालाल सिंह के घर के समीप कोल वाहन क्रमांक सीजी 1515 ईसी 9363 के चालक ने मोटरसाइकिल सवार बृजभान सिंह पिता लक्षनधारी सिंह उम्र 28 वर्ष को टक्कर मारकर मौत की नींद सुला दी। यह घटना शनिवार की रात करीब 8 बजे की है। उक्त घटना के बाद ग्रामीणों ने करीब 7 घंटे आधी रात तक चक्काजाम कर हंगामा करते रहे। मौके पर मौजूद तहसीलदार एवं एसडीओपी ने लिखित आश्वासन देते हुये बताया कि मृतक की पत्नि शांति सिंह एवं बेटी पूजा को सड़क सुरक्षा नीधि से 4 लाख एवं एफआईआर के बाद बीमा क्लेम प्रदान करने का आश्वासन दिया गया। इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई-लिखाई एवं स्वास्थ्य का जिम्मा एपीएमडीसी उठाएगी। इसके अलावा शव के अंतिम संस्कार के लिए 1 लाख रूपये की सहायता राशि प्रदान की गई। तब जाकर मामला शांत हुआ।

खम्हरिया में दो घरों के चोरों ने चटकाए ताले

बगदरा पुलिस के कार्यप्रणाली पर उठने लगे सवाल

सिंगरौली। बगदरा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम खम्हरिया में एक ही रात दो घरों को चोरों ने निशाना बनाते हुये पेटी का ताला तोड़ नकद समेत अन्य सामग्रियों को पार कर गये। पीड़ित पक्ष ने घटना की सूचना पुलिस चौकी में दी है। वही क्षेत्र में हो रही लगातार चोरियों से लोग दहशत में हैं।

जानकारी के अनुसार ग्राम खम्हरिया में एक ही रात में शारदा सिंह बैस व राम सागर सिंह बैस के घर में चोरों ने दरवाजा व बक्से का ताला तोड़कर नगदी सहित कीमती सामान पार कर गये। अज्ञात चोरों ने इस घटना को उस वक्त अंजाम दिया, जब पीड़ित पक्ष के लोग गहरी निद्रा में थे। सुबह जब नींद खुली तो कमरा के दरवाजे का ताला और अंदर जाने के बाद बॉक्स का ताला टूटता देख हैरत में पड़ गये। सामान तितर-बितर पड़ा मिला। बॉक्स से कैश समेत सोने-चॉदी के जेवरात पार मिले। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है। इधर क्षेत्र में चोरों के बढ़ते आतंक से लोग खौफजदा हैं। आरोप है कि अभी तक पुलिस क्षेत्र में हुई कई चोरियों का खुलासा नही कर पाई है। पीड़ित पक्ष ने एसपी का ध्यान आकृष्ट कराया है।

स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक आयोजित हुई

वर्ष 2025 -26 की कार्य योजना एवं अकादमिक गुणवत्ता में वृद्धि हेतु हुई चर्चा

कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में जिले का रहा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

शैक्षणिक कैलेंडर का हुआ वितरण

सीधी

आयुक्त रीवा संभाग श्री बी एस जामोद, कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी और सीईओ जिला पंचायत श्री अंशुमन राज से प्राप्त निर्देश एवं मार्गदर्शन के क्रियान्वयन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 5 जुलाई 2025 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र 2 सीधी में जिले भर के प्राचार्यों की बैठक आयोजित हुई।

डीईओ पवन कुमार सिंह ने प्राचार्यो से चर्चा करते हुए निर्देशित किया कि शिक्षक समय से स्कूल पहुंचे एवं समय तक उपस्थित रहे। अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा। सीएम हेल्पलाइन का समय पर निराकरण करें। किसी भी स्थिति में जीर्ण शीर्ण भवन में कक्षा संचालित नहीं करें। विधि विभाग के नोडल श्री राकेश जायसवाल ने विधि संबंधी प्रकरणों के तत्काल निराकरण हेतु चर्चा की गई। राम कृष्ण तिवारी द्वारा सीएम हेल्पलाइन के तत्काल निराकरण की चर्चा की गई।

बैठक में एडीपीसी प्रवीण शुक्ल द्वारा अपार आईडी, एक पेड़ मां के नाम, परीक्षा परिणाम हेतु प्राचार्य को बधाई देते हुए विस्तार से चर्चा की गई।

एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र द्वारा विद्यार्थियों के नामांकन, पुस्तक वितरण, ब्रिज कोर्स का संचालन, शैक्षणिक सत्र 2025 -26 की कार्य योजना तैयार करने, आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास, प्रयोगशाला, लाइब्रेरी, और टैबलेट का उपयोग, इंस्पायर अवार्ड 2025 के लिए नामांकन, मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के नामांकन, समावेशी शिक्षा में छात्रों का चिन्हांकन, विद्यांजलि पोर्टल, ड्रॉप आउट रोकने तथा ट्रांजिशन दर में वृद्धि हेतु प्रयास, शिक्षक दैनिन्दनी, निरीक्षण पंजी का संधारण, अवकाश पंजी, खगोलीय क्लब, उमंग कार्यक्रम, उज्जवल कार्यक्रम, स्काउट - रेड क्रॉस, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं नियमित कक्षा संचालन, 23 नए वोकेशनल स्कूल का संचालन, पुस्तकालय की स्थिति एवं उपयोग आदि विषय पर प्राचार्यो से विस्तार में चर्चा की गई।

आईटी सेल के संजय सोनी और देवेंद्र तिवारी ने प्राचार्यो को स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब के उपयोग हेतु महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराया गया। राकेश रतन पाण्डेय ने एक पेड़ मां के नाम की चर्चा की गई। उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शंभुनाथ त्रिपाठी द्वारा कार्य योजना तैयार कर अध्यापन कार्य करने पर बल दिया गया। क्रमांक 2 के प्राचार्य रामाधार पांडेवा, समस्त विकास खंड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी, नोडल अधिकारी, सहायक संचालक आदिम जाति कल्याण विभाग दीपक निगम एवं प्राचार्य उपस्थित रहे।

प्रदेश के विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा पर होगा दो दिवसीय उत्सव

आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने जारी किये निर्देश

सीधी। प्रदेश के सभी विद्यालयों में 10 जुलाई गुरूवार को गुरू पूर्णिमा के मौके पर 2 दिवसीय उत्सव का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन 9 और 10 जुलाई को होगा। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं।

निर्देश में कहा गया है कि पहले दिन 9 जुलाई को विद्यालय में प्रार्थना सभा के बाद शिक्षकों द्वारा गुरू पूर्णिमा के महत्व और पारंपरिक गुरू-शिष्य संस्कृति के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जायेगी। विद्यालय में प्राचीन काल में प्रचलित गुरूकुल व्यवस्था एवं उसका भारतीय संस्कृति में प्रभाव विषय पर बच्चों के बीच में निबंध लेखन प्रतियोगिता की जायेगी। विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि आयोजन के दौरान साधु-संतों, गुरूजनों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, विद्यार्थियों और नागरिकों को आमंत्रित किया जाये। इन आयोजन में विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया जा सकता है। पूर्व विद्यार्थी अपने शाला जीवन के अनुभव को विद्यार्थियों के बीच साझा करेंगे।

उत्सव के दूसरे दिन 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा के दिन प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में वीणा वादिनी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर गुरू वंदना की जायेगी। विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरू की महिमा पर केन्द्रित व्याख्यान होंगे। इसी के साथ इस दिन गुरूजनों एवं शिक्षकों का सम्मान भी किया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों में भारतीय मूल्यों संस्कृति आधारित शिक्षा के लिये कई उल्लेखनीय कदम उठाये गये हैं। उनमें से एक विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा का आयोजन किया जाना भी एक है।

जिले में औसत वर्षा 315.4 मि.मी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 06 जुलाई को सीधी जिले में 19.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 8.5 मि.मी., चुरहट में 24.0 मि.मी., गोपद बनास में 57.0 मि.मी., सिहावल में 18.6 मि.मी., बहरी में 7.0 मि.मी., मझौली में 12.0 मि.मी. और कुसमी में 8.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 315.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 06 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 471.0 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 151.0, चुरहट में 229.0, गोपद बनास में 257.0, बहरी में 386.1 मझौली में 365.0 मि.मी. और कुसमी में 349.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 134.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 180.8 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

फसल की सुरक्षा के लिये खेत पर तार-फेंसिंग लगाने का आधा खर्च सरकार वहन करेगी

सीधी

फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेतों पर तार-फेंसिंग लगाने का आधा खर्चा राज्य सरकार वहन करेगी। अब राष्ट्रीय बागवानी एकीकृत विकास कार्यक्रम के तहत उद्यानकी फसल उगाने वाले कृषक अपने खेत के चारो ओर 5 तार व खम्बे की फेंसिंग लगवा सकते हैं। उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा इच्छुक किसानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। विभाग द्वारा जिलेवार लक्ष्य निर्धारित किया जा चुका है। आयुक्त उद्यानकी के अनुसार उद्यानकी फसलों में सब्जी, फल, फूल एवं मसालों की फसलों को जंगली जानवरों द्वारा क्षति पहुंचाई जाती है। इससे बचाव के लिये यह योजना लागू की गई है। विभाग द्वारा किसानों को तार-फेंसिंग लगाने में आने वाला खर्च का आधा (50 प्रतिशत) अनुदान प्रदान किया जाएगा। तार-फेंसिंग लगाने का खर्चा 300 रुपये प्रति रनिंग मीटर आता है, यानि एक हजार रनिंग मीटर का खर्चा तीन लाख रुपये है। इसमें डेढ़ लाख रुपये राज्य सरकार देगी तथा शेष डेढ़ लाख रूपये किसान वहन करेगा।

पटवारी श्री पुष्पराज सिंह को कर्तव्य पर उपस्थित होने के लिए आम सूचना जारी

सीधी। उपखंड अधिकारी मझौली द्वारा जानकरी देकर बताया गया कि श्री पुष्पराज सिंह पटवारी तहसील मड़वास वर्तमान में संलग्न उपखण्ड कार्यालय मझौली जिला सीधी ग्राम तेगवा पो.आ. बरमबाबा तहसील गोपदबनास जिला सीधी के निवासी हैं। उन्हें कार्यालयीन आदेश दिनांक 30.09.2024 के द्वारा कार्यालय उपखण्ड मझौली में संलग्न किया गया था एवं कार्यालयीन पत्र दिनांक 19.11.2024 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कार्यालयीन पत्र दिनांक 20.01.2025 के द्वारा आपको अंतिम कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। उक्त सूचना के बावजूद श्री सिंह दिनांक 30.09.2024 से लगातार अनुपस्थित है। आपके द्वारा कोई अवकाश आवेदन पत्र भी नही दिया गया है। उक्त कृत्य जो म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का नियम-7 के प्रतिकूल है। उन्होंने संबंधित पटवारी को सूचित किया है कि नियत दिनांक 17.07.2025 के पूर्व उपखण्ड कार्यालय मझौली में स्वत: उपस्थित होकर जवाब देवे।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों की नगदी रहित उपचार स्कीम

डिवीजनल कमिश्नर को योजना की नियमित मॉनीटरिंग करने के निर्देश

सीधी। देश में सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी सम्पूर्ण देश में नियमित मॉनीटरिंग कर रही है। समय-समय पर यह कमेटी विभिन्न राज्यों से रिपोर्ट प्राप्त कर सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी गाइड-लाइन्स की समीक्षा कर सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है।

परिवहन सचिव श्री मनीष सिंह ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिये नगदी रहित उपचार योजना के क्रियान्वयन के लिये कलेक्टर्स को निर्देश भी जारी किये हैं। निर्देशों में बताया गया है कि यह स्कीम और गाइड-लाइन्स मई-2025 और जून-2025 में जारी हुई हैं। इसी के साथ मंत्रालय द्वारा 21 मई, 2025 को यूजर मैनेजमेंट पोर्टल भी जारी किया गया है। निर्देशों में बताया गया है कि सड़क दुर्घटना प्रकरणों में जहाँ दोषी मोटरयान के पास वैध तृतीय पक्ष बीमा कव्हरेज था, उसका भुगतान केन्द्र सरकार द्वारा साधारण बीमा कम्पनियों के सहयोग से बनाये गये फण्ड से स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए) द्वारा अस्पताल के दावे को मंजूरी दिये जाने के 10 दिनों की समयावधि में जिला कलेक्टर्स के अनुमोदन से जिला स्तर पर ही केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित फण्ड से किया जायेगा। योजना में अस्पताल से दुर्घटना तारीख से अधिकतम 7 दिनों की अवधि में प्रति व्यक्ति के लिये एक लाख 50 हजार रूपये तक के उपचार की व्यवस्था है। दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति या उसका परिवार दुर्घटना का विवरण हेल्पलाइन नम्बर 112 में खबर दे सकता है।

परिवहन सचिव द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि योजना के क्रियान्वयन के लिये किसी अधीनस्थ अधिकारी को जिम्मेदारी देते हुए इसकी नियमित मॉनीटरिंग जिला स्तर पर की जाये। समस्त संभागायुक्तों को भी निर्देश दिये गये हैं कि महत्वपूर्ण योजना की आवश्यक गतिविधियों की नियमित मॉनीटरिंग की जाये। जिला कलेक्टर्स को योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश भी परिवहन विभाग द्वारा भेजे गये हैं प्रदेश के विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा पर होगा दो दिवसीय उत्सव

आयुक्त लोक शिक्षण कार्यालय ने जारी किये निर्देश

प्रदेश के सभी विद्यालयों में 10 जुलाई गुरूवार को गुरू पूर्णिमा के मौके पर 2 दिवसीय उत्सव का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन 9 और 10 जुलाई को होगा। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं।

निर्देश में कहा गया है कि पहले दिन 9 जुलाई को विद्यालय में प्रार्थना सभा के बाद शिक्षकों द्वारा गुरू पूर्णिमा के महत्व और पारंपरिक गुरू-शिष्य संस्कृति के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जायेगी। विद्यालय में प्राचीन काल में प्रचलित गुरूकुल व्यवस्था एवं उसका भारतीय संस्कृति में प्रभाव विषय पर बच्चों के बीच में निबंध लेखन प्रतियोगिता की जायेगी। विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि आयोजन के दौरान साधु-संतों, गुरूजनों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, विद्यार्थियों और नागरिकों को आमंत्रित किया जाये। इन आयोजन में विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया जा सकता है। पूर्व विद्यार्थी अपने शाला जीवन के अनुभव को विद्यार्थियों के बीच साझा करेंगे।

उत्सव के दूसरे दिन 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा के दिन प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में वीणा वादिनी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर गुरू वंदना की जायेगी। विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरू की महिमा पर केन्द्रित व्याख्यान होंगे। इसी के साथ इस दिन गुरूजनों एवं शिक्षकों का सम्मान भी किया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों में भारतीय मूल्यों संस्कृति आधारित शिक्षा के लिये कई उल्लेखनीय कदम उठाये गये हैं। उनमें से एक विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा का आयोजन किया जाना भी एक है।

सीधी सिनेमा क्लब में दिखाई गई फिल्म पीहू

सीधी। पिहू'एक सच्ची घटना से प्रेरित फिल्म है, जिसमें केवल दो साल की एक छोटी बच्ची की कहानी दिखाई गई है। फिल्म की शुरुआत एक सुबह से होती है, जब पिहू उठती है और अपने घर में खुद को अकेला पाती है। उसकी मां (प्रेरणा विश्व कर्मा) बिस्तर पर पड़ी होती हैं और कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही होती। पिहू बार-बार अपनी मम्मी को उठाने की कोशिश करती है, लेकिन मम्मी नहीं उठतीं, क्योंकि मम्मी की मृत्यु हो चुकी होती है, जो शायद घरेलू झगड़े और तनाव का परिणाम है। पिहू को यह समझ नहीं आता कि उसकी मां अब जीवित नहीं है। वह घर में इधर-उधर घूमती है, खुद खाना ढूंढती है, कभी दूध पीती है, कभी माइक्रोवेव का बटन दबाती है, कभी दरवाजे के पास जाती है और कभी बालकनी में पहुंच जाती है। पिहू के चारों तरफ कई खतरनाक चीजें होती हैं – जैसे खुला बिजली का प्लग, गर्म इस्त्री, जलती हुई गैस, बालकनी का खुला दरवाजा, भारी फर्नीचर – जिनसे पिहू अनजाने में बार-बार मौत के करीब पहुंच जाती है। पूरी फिल्म में कहीं कोई डायलॉग नहीं है, कोई अन्य किरदार नहीं है।

शासनाधीन प्राचार्यों की बैठक सम्पन्न

सीधी। भोपाल विगत दिवस सी-उन्नीस भोपाल में शासनाधीन विद्यालयों के प्राचार्यों की एक बैठक 30.06.2025 को आयोजित हुई। जिसमें सर्वसम्मति से शासनाधीन विद्यालय संघ का गठन किया जाकर शासनाधीन विद्यालय संघ म0प्र0 के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से वीर सिंह राणा प्राचार्य नीमच (उज्जैन) को चुना गया। इनके साथ ही संघ के उपाध्यक्ष के रूप में रामबाबू त्यागी प्राचार्य शिवपुरी, सचिव के रूप में ओ0पी0 सिंह कुशवाह प्राचार्य दतिया एवं कोषाध्यक्ष के रूप में एम0वी0 जैन को सर्वसम्मति से संघ के पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित किया गया। संघ के र्काकारिणी सदस्य के रूप में रीवा संभाग से चंन्द्रिका सिंह बघेल प्राचार्य अरगट (सतना) आशुतोष तिवारी प्राचार्य टीकमगढ़, संजू पाठक प्रचार्य मुरैना, परशुराम जादौन, प्राचार्य श्योपुर इकवाल अहमद प्राचार्य धनपुरी शहडोल, कमलेश मिश्र प्राचार्य भिन्ड, सन्तोष कुमार शुक्ल प्राचार्य छिन्दवाडा एवं बाबा रंगारे प्राचार्य, छिन्दवाडा को निर्वाचित घोषित किया गया। बैढक में प्रदेश के शासनाधीन विद्यालयों के प्राचार्यगण संस्था प्रमुख उपस्थित रहें। बैढक में प्रमुख रूप से रामभुवन शुक्ल प्राचार्य शा0पं0दीन दयाल उपाध्याय उ0मा0वि0 रजड़िहा जिला सीधी (म0प्र0) द्वारा मार्गदर्शन किया गया।

बैठक में शिवशंकर शुक्ल प्राचार्य दुलहरा (रीवा) मनोज कुमार तिवारी रजड़िहा सीधी, संतोष पटेल प्राचार्य चंन्द्रेह रीवा, ओ.पी. श्रीवास्तव प्राचार्य सूती (रीवा), प्राचार्य खारा रीवा, प्राचार्य मुरैना, प्राचार्य नीमच, प्राचार्य गुरूकुल सेमरिया सीधी, प्राचार्य नेगुडा, प्राचार्य कौडा मुरैना, प्राचार्य नरसिंगपुर, प्राचार्य उज्जैन सहित 39 विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में 21 मार्च 2002 को शासनाधीन किये गये स्कूलों के शिक्षक/कर्मचारियों के संबध में मध्यप्रदेश शासन द्वारा किये जा रहे भेदभाव, पक्षपात, पूर्व व्यवहार एवं शोषण के विरूद्ध न्यायालय एवं विभाग स्तर पर न्यायिक लडाई लडने का निष्कर्ष लिया गया। तथा समूहिक रूप से हर स्तर पर छात्रों व कार्यरत शिक्षक/कर्मचारियों के हितों की रक्षा हेतु कारगर रूप से प्रयास करने का निर्णय लिया गया।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सीधी (म0प्र0)
Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक/359 /खनिज/2025 सीधी, दिनांक 04-07-2025

// द्वितीय सूचना //

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) "

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री प्रवीण कुमार मिश्रा, पिता स्व. श्री यमुना प्रसाद मिश्रा निवासी, शिव 17/262-21 वाय, परमहंसनगर कालोनी शिवपुर, थाना शिवपुर जिला वाराणसी (उ.प्र.) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन 19.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 07.06.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 09.07.2025 से 23.07.2025 तक यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	मझौली	नारो	1034	2.230	शासकीय	गिट्टी	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-15212/25

कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व,
शिवाजी नगर, नौढ़िया, जिला-सीधी, 486661, (मध्य प्रदेश)
फोन नम्बर-7822297542
E.mail. fdsajnp.sdh@mp.gov.in, fdsanjay_tr@rediffmail.com, website. www.sanjaytigerreserve.in

क्र./ई-निविदा/2025/.4265 सीधी दिनांक 02-07-2025

-: ई-निविदा सूचना :-

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में भवन निर्माण /मरम्मत , पुलिया, रपटा, चेकडेम निर्माण मरम्मत के लिये शासकीय कार्यो हेतु निम्नांकित सामग्री के लिये वाणिज्यिक कर अधिनियम के तहत् पंजीकृत, प्रतिष्ठित निर्माताओं तथा अधिकृत विक्रेताओं से मोहन, पोंड़ी, दुबरी, बस्तुआ, ब्यौहारी बफर, मड़वास बफर, टमसार बफर, भुईमाड़ बफर, सोनघड़ियाल अभयारण्य सीधी , सोनघड़ियाल अभयारण्य चितरंगी , सोनघड़ियाल अभयारण्य रामपुर नैकिन , बगदरा अभयारण्य सीधी के लिये ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	सामग्री का नाम	अनुमानित मात्रा
1	ईंट पक्की (गुटका) 9"x 4"x4"	170000 नग
2	फ्लाई एस. ईंट 8"x 4"x4"	60000 नग
3	रेत (बालू)	600 घ.मी.
4	गिट्टी 20,40 एमएम	500 घ.मी.
5	लोहा/सरिया 8,10,12 एमएम	18000 कि.ग्रा.
6	सीमेन्ट (ISI Mark 53-Grade) मेजर प्लांट	20000 बैग (50Kg Wt.)
7	हार्ड मुरूम	400 घ.मी.
8	स्टोन डस्ट (राखड़)	350 घ.मी.
9	स्ट्रेक्चर स्टील (ISI Mark)	30 क्विंटल
10	बाईंडिंग वायर	300 कि.ग्रा
11	अनगढ़ा पत्थर	400 घ.मी.
12	फर्स टाईल्स 600 mm ×600mm×9mm प्रति वर्ग फिट	525 वर्ग फिट
13	बाथरूम फ्लोर टाइल्स 30×30cm प्रति वर्ग फिट	2000 वर्ग फिट
14	बाथरूम वाल टाइल्स 45×30cm प्रति वर्ग फिट	2000 वर्ग फिट
15	इमल्सन पेन्ट अंदर दीवार हेतु	4000 लीटर
16	इमल्सन पेन्ट बाहरी दीवार हेतु	4000 लीटर
17	पेन्ट हरा, लाल, सफेद, ब्राउन	2000 लीटर
18	चौखट सालवुड-दरवाजा मय पल्ला	3'6"×7'0"=15 Nos 2'9"×7'0"=20 Nos
19	लकड़ी सालवुड की खिड़की मय पल्ला	5'0"×4'6"=15 Nos 4'0"×4'6"=10 Nos 3'0"×4'6"=05 Nos

इस निविदा के लिये दिनांक 07.07.2025 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे है। टेण्डर की विस्तृत जानकारी **https://mptenders.gov.in/** के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 14.07.2025 समय शाम 3.00 तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 15.07.2025 को दोपहर 3.00 बजे रहेगी। उक्त निविदा वन विभाग की ऑफिशियल वेबसाईट **https://mpforest.gov.in/** पर भी देखी जा सकेगी।

उप संचालक
संजय टाईगर रिजर्व, सीधी

जी-15204/25

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता जरूरी

आतंकवाद आज पूरी दुनिया में मानवता के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यह शांति, सह-अस्तित्व, विकास और लोकतंत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती खड़ी कर रहा है। किसी भी धार्मिक, वैचारिक या राजनीतिक कारणों से आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह एक ऐसा नासूर बन चुका है, जो अपने आप खत्म नहीं होगा। इसके खात्मे के लिए ठोस और सामूहिक प्रयास की जरूरत है। भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में वैश्विक समुदाय को एकजुट करने की कोशिश करता रहा है। परिणामस्वरूप कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ मुखरता से आवाज उठी है। अब चार देशों के समूह क्वाड ने भी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही इस हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया है। क्वाड के इस कदम से आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति को बल मिला है। यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान समेत कुछ चुनिंदा देश आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। भारत ने कई मौकों पर पाकिस्तान की इस असलियत को वैश्विक समुदाय के समक्ष सबूतों के साथ उजागर किया है। मगर, पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता रहा है। हालांकि, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया के हर कोने से आवाज उठ रही है, लेकिन इसके खात्मे के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो एकजुट प्रयास होने चाहिए, वे अभी नजर नहीं आ रहे हैं। पिछले माह चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन में शामिल देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे को उठाया। मगर, जब साझा बयान जारी करने को लेकर चर्चा हुई, तो पाकिस्तान ने इस मुद्दे को शामिल न करने की बात कही, जिस पर भारतीय पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। इससे पाकिस्तान के नापाक इरादों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

लोग जेनरेटिव एआई बॉट्स में संदर्भ के साथ सूचनाएं दर्ज कर रहे हैं और फिर सवाल पूछ रहे हैं। कई उपयोगकर्ताओं के लिए कंटेंट के लिंक अब काम के नहीं रहे। वास्तव में, कई नौजवानों में प्रासंगिक कंटेंट खोजने के लिए विभिन्न लिंक पर क्लिक करने का धैर्य नहीं होता। वे जेनरेटिव एआई बॉट्स से यह उम्मीद करते हैं कि वे उनके लिए सर्च कर देंगे, उनका सारांश पेश करेंगे और तमाम स्रोतों से उन्हें सामग्रियां मुहैया कराएंगे। लाखों उपयोगकर्ता तो जेनरेटिव एआई बॉट्स में बोलकर भी इंटरनेट पर सामग्रियां खोज रहे हैं। इस कारण पूरी सर्च इंजन इंडस्ट्री एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इंटरनेट का विश्लेषण करने वाली स्टैटकाउंटर नामक कंपनी ने चैटजीपीटी की शुरुआत और अन्य जेनरेटिव एआई बॉट्स के बढ़ते उपयोग के बाद बाजार में गूगल की हिस्सेदारी गिरने की बात कही है। मोर्डोर रिपोर्ट में भी कहा गया है कि एआई-संचालित सशुल्क सर्च इंजन 2025 में बेशक एक अरब डॉलर का व्यापार कर रहा है, मगर 2029 तक यह 26 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है, क्योंकि विज्ञापनदाता उन सर्च इंजन से बचना चाहते हैं, जहां कम लोग विज्ञापन के लिंक पर क्लिक करते हैं।

साइबर सर्च का बदल गया सलीका

(प्रांजल शर्मा)

देश जब डिजिटल इंडिया के 10 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है, तब यह देखना वाकई महत्वपूर्ण है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरनेट और 'सर्च' की दुनिया में कितने बदलाव आए हैं? यकीनन इंटरनेट पर सर्च, यानी खोजने का तरीका बदल गया है। जैसे-जैसे जेनरेटिव एआई बॉट्स लोकप्रिय होते जा रहे हैं, उपभोक्ता सर्च के लिए जेनरेटिव एआई पर निर्भर होते जा रहे हैं।

सर्च इंडस्ट्री अब 'ब्राउजर' से आगे 'बॉट्स' की ओर बढ़ रही है। 1997 में गूगल सर्च की शुरुआत होने से लेकर एप्पल के सफारी, माइक्रोसॉफ्ट बिंग, डकडकगो व यांडेक्स तक 'सर्च इंजन' बाजार ने अरबों डॉलर के उद्योग के रूप में तरक्की की है। बाजार पर नजर रखने वाली कंपनी मोर्डोर इंटेलिजेंस के अनुसार, 2025 में सर्च इंजन का जो कारोबार 252.2 अरब डॉलर का है, 2030 तक वह 440.6 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। अब उपभोक्ताओं के पास वाट्सएप पर मेटा एआई, माइक्रोसॉफ्ट पर चैटजीपीटी, जीमेल पर जेमिनी, एक्स पर ग्रोक के अलावा परप्लेक्सिटी और ओपेनएआई जैसे तमाम विकल्प मौजूद हैं। पिछले दशकों में उपयोगकर्ताओं में वही सर्च इंजन आदर्श रहे हैं, जिनमें कंटेंट, यानी इंटरनेट सामग्रियों के लिंक मौजूद रहे। बढ़ती दक्षता और पूर्वानुमान इंजन ने लिंक खोजना काफी आसान बना दिया है।

अब खोज के लिए किसी ब्राउजर पर जाने के बजाय युवा उपयोगकर्ता सीधे बॉट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ मामलों में तो बॉट्स से लिंक के बिना संक्षिप्त जवाब मिल जाते हैं। जबकि, कुछ मामलों में वह स्रोतों के लिंक भी मुहैया कराता है। हालांकि, कई मामलों में यह भी देखा गया है कि बॉट्स द्वारा उपलब्ध कराई गई संक्षिप्त जानकारी दोषपूर्ण या गलत रही है।

इसके बाद जिन उपयोगकर्ताओं के पास सही जानकारी होती है, वे पेश किए गए 'संक्षिप्त जानकारी' को सही करने के प्रयास करते हैं, ताकि जेनरेटिव एआई बॉट सीख सके और उसे सुधारा जा सके। कुछ बॉट्स सीमित, पर विशाल डाटासेट से सूचनाओं का उपयोग करते हैं, तो कुछ खुद इंटरनेट पर सर्च करते हैं और ब्राउजर की तरह काम करते हैं।

जाहिर है, सर्च उद्योग एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। कई उपकरणों और ई-मेल जैसी सेवाओं में जेनरेटिव एआई बॉट्स की मौजूदगी के कारण अब इंटरनेट पर मौजूद सामग्रियां लिंक आधारित सूचनाओं के बजाय एआई आधारित सारांश में दिखने लगी हैं। कंपनियां पहले सर्च इंजन प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन शुल्क लगाकर पैसे कमा रही थीं। अब सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) विज्ञापनदाताओं के लिए अपनी सामग्री को बढ़ावा देने का एक मानक बन गया है।

जेनरेटिव एआई बॉट्स दशकों पुराने मॉडल को अब बदल रहे हैं। जेनरेटिव एआई उपभोक्ताओं के लिए सारांश या नोट्स नहीं बनाते। लोग जेनरेटिव एआई बॉट्स में संदर्भ के साथ सूचनाएं दर्ज कर रहे हैं और फिर सवाल पूछ रहे हैं। कई उपयोगकर्ताओं के लिए कंटेंट के लिंक अब काम के नहीं रहे। वास्तव में, कई नौजवानों में प्रासंगिक कंटेंट खोजने के लिए विभिन्न लिंक पर क्लिक करने का धैर्य नहीं होता। वे जेनरेटिव एआई बॉट्स से यह उम्मीद करते हैं कि वे उनके लिए सर्च कर देंगे, उनका सारांश पेश करेंगे और तमाम स्रोतों से उन्हें सामग्रियां मुहैया कराएंगे। लाखों उपयोगकर्ता तो जेनरेटिव एआई बॉट्स में बोलकर भी इंटरनेट पर सामग्रियां खोज रहे हैं। इस कारण पूरी सर्च इंजन इंडस्ट्री एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इंटरनेट का विश्लेषण करने वाली स्टैटकाउंटर नामक कंपनी ने चैटजीपीटी की शुरुआत और अन्य जेनरेटिव एआई बॉट्स के बढ़ते उपयोग के बाद बाजार में गूगल की हिस्सेदारी गिरने की बात कही है। मोर्डोर रिपोर्ट में भी कहा गया है कि एआई-संचालित सशुल्क सर्च इंजन 2025 में बेशक एक अरब डॉलर का व्यापार कर रहा है, मगर 2029 तक यह 26 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है, क्योंकि विज्ञापनदाता उन सर्च इंजन से बचना चाहते हैं, जहां कम लोग विज्ञापन के लिंक पर क्लिक करते हैं। इसके बजाय उनका रुझान उन इंजनों पर है, जहां ज्यादा लोग सर्च के लिए आ रहे।

बाजार के खिलाड़ी अब एसईओ की अगली कड़ी के रूप में जेनरेटिव इंजन ऑप्टिमाइजेशन (जीईओ) पर अपना ध्यान टिकाए हुए हैं। कंपनियां यह सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष कर रही हैं कि उनके उत्पाद और सेवाएं ग्रोक व जेमिनी जैसे विभिन्न बॉट्स द्वारा पैदा एआई-सारांश में दिखाई दें। युवा व दूरदर्शी उपभोक्ता एआई-सारांश पर जोर देते हैं, उसके मूल स्रोत वाले लिंक पर ध्यान नहीं देते। एजेन्टिक एआई के उदय का यही अर्थ है कि ब्रांडेड और प्रायोजिक लिंक का महत्व अब कम हो जाएगा। एजेन्टिक एआई दरअसल उन्नत स्तर का बॉट है, जो उपयोगकर्ताओं के पिछले व्यवहार के आधार पर उनकी जरूरतों का फौरन अनुमान भी लगा सकता है।

इस कारण जीईओ आने वाले महीनों में एसईओ आधारित योजनाओं को पीछे छोड़ देगा। कुछ डिजिटल विज्ञापनदाताओं ने जीईओ के लिए एआई आधारित समाधान देना शुरू किया है। ब्रिटिश कंपनी डिजिटल-बिज ने एआई इंजन बूस्ट की शुरुआत की है, जो कंपनी के मुताबिक, 'विकसित होते सर्च के संसार में एक परिवर्तनकारी संयोजक' के रूप में काम करता है, और पारंपरिक एसईओ को अगली पीढ़ी की एआई-एसईओ, आंसर इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एईओ) और जेनरेटिव इंजन ऑप्टिमाइजेशन (जीईओ) से जोड़ता है। डिजिटल-बिज ने एक बयान में कहा भी है, एआई इंजन बूस्ट लोगों की ब्रांड तक पहुंच को सर्वव्यापी बनाता है, जो पारंपरिक और उभरती हुई, दोनों सर्च तकनीकों के अनुकूल है।

साफ है, भविष्य में पूरा सर्च इंजन उद्योग जेनरेटिव एआई सर्च और सारांश कंटेंट उद्योग के रूप में विकसित होगा। उत्पादों की दृश्यता जीईओ प्रयासों और एआई सारांश से तय होंगी। मगर उपभोक्ताओं को इसमें खास सावधान रहना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जेनरेटिव एआई सारांश के बावजूद वे तथ्यों का स्रोत जानें। जेनरेटिव एआई बॉट्स द्वारा दी गई सभी सूचनाएं सच नहीं हो सकतीं और उनमें कई पूर्वाग्रह भी हो सकते हैं। लिहाजा, जैसे-जैसे भारत अधिक डिजिटल होता जाएगा, उपभोक्ताओं को उन इंटरनेट-सामग्रियों को लेकर कहीं अधिक सावधानी बरतनी पड़ेगी, जिनका वे उपयोग करेंगे। यहां तक कि जेनरेटिव एआई बॉट्स का प्रबंधन करने वाली बड़ी-बड़ी टेक कंपनियों की भी यह जिम्मेदारी होगी कि वे उपभोक्ताओं तक सटीक सूचनाएं पहुंचाएं। (लेखक डिजिटल नीति विशेषज्ञ (ये लेखक के अपने विचार हैं)

ठाकरे भाइयों ने अपने 'मिलन' के लिए महाराष्ट्र में समाज को भाषा के नाम पर बाँट दिया

(नीरज कुमार दुबे)

दोनों चचेरे भाइयों ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरुआत भी कर दी है। महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है, अब इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर भाषा की भावनाओं की लहरों में डोलती दिखाई दे रही है। मराठी अस्मिता के सवाल को फिर से केंद्र में लाते हुए शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी भाषा को कथित रूप से 'थोपे जाने' के विरोध में एक समान सुर अपनाया है। यह घटनाक्रम न केवल राज्य की भाषाई राजनीति को गर्मा गया है, बल्कि वर्षों से एक-दूसरे के विरोध में खड़े ठाकरे बंधुओं को साझा राजनीतिक उद्देश्य के तहत साथ भी ले आया है।

वैसे राज ठाकरे और उनकी पार्टी की ओर से हिंदी भाषा का विरोध पहले भी होता रहा है। खासकर मुंबई जैसे महानगर में जहाँ हिंदी भाषी आबादी बड़ी संख्या में है, वहां मराठी भाषी समाज के मन में यह भाव डाला जा रहा है कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और भाषा को धीरे-धीरे हाशिये पर डाला जा रहा है। राज ठाकरे की मनसे ने पहले भी हिंदी भाषियों पर निशाना साधते हुए ऑटो रिक्शा चालकों और बहुभाषी दुकानों के खिलाफ अभियान चलाए हैं। वहीं शिवसेना की स्थापना ही 'मराठी मानुष' की राजनीति पर हुई थी, हालांकि बाद के वर्षों में वह राष्ट्रीय राजनीति और गठबंधनों में आगे बढ़ती चली गई। दोनों भाई दो दशक के बाद एक ही मंच से जिस तरह गरजे हैं उससे हिंदी भाषियों के मन में सुरक्षा को लेकर आशंकाएं उत्पन्न होना स्वाभाविक है इसलिए महाराष्ट्र सरकार को अब और ज्यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है।

आज दोनों चचेरे भाइयों उद्धव और राज ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरुआत भी कर दी है। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है, अब इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी। आज की रैली में उद्धव और राज ठाकरे ने अपने भाषण के जरिये वैसे तो कई बड़ी बातें कहीं लेकिन उन्हें हिम्मत करके कुछ जायज सवालों के जवाब भी देने चाहिए।

1. पहला सवाल यह है कि जिस हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा हासिल है उसके खिलाफ नफरत क्यों फैलाई जा रही है?

2. दूसरा सवाल यह है कि हिंदी सिनेमा उद्योग ने जिस मुम्बई को विशिष्ट पहचान दिलाई और जो हिंदी सिनेमा उद्योग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की तरह है वहां हिंदी का विरोध करना क्या दोहरा रवैया नहीं है? फिल्मों को हिंदी बेल्ट से कमाई चाहिए लेकिन उसी हिंदी बेल्ट का व्यक्ति यदि महाराष्ट्र में हिंदी बोले तो क्या उसकी बेल्ट से पिटाई की जायेगी?

3. तीसरा सवाल यह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर तमाम अन्य मराठा वीरों ने तो अपने साम्राज्य का उत्तर और दक्षिण तक विस्तार किया था लेकिन उद्धव और राज मराठियों को संकुचित दायरे में ही क्यों रखना चाहते हैं?

हिंदी विरोध के बहाने साथ आये उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुकी है। विदेशों में भी भारतीय, हिंदी को अपने मूल से जोड़ने वाली डोर मानते हैं। हिंदी पर मराठी भाषा की जीत का उत्सव मना रहे उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान का अभिन्न अंग है।

जन समर्थन खो चुके उद्धव और राज ठाकरे जैसे हिंदी विरोधियों को अपने मन की वह भ्रांति दूर कर लेनी चाहिए कि हिंदी कोई विरोधी भाषा है, उन्हें समझना चाहिए कि हिंदी तो एक सहयोगी भाषा है। यह कभी किसी पर थोपी नहीं जाती बल्कि अपनी उपयोगिता, पहुँच और आत्मीयता के बल पर यह जनमानस में रची-बसी है। हिंदी तो वह भाषा है जो भारत की भाषायी विविधता को बनाए रखते हुए अन्य भाषाओं के साथ बड़ी आसानी से समन्वय कर लेती है। राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए साथ आये उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी एक लचीली और समावेशी भाषा है जो अन्य भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करती है। इसमें संस्कृत, उर्दू, फारसी, बंगाली, क्षेत्रीय बोलियों और यहां तक कि अंग्रेजी के शब्दों को भी आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है।

देश और समाज को जोड़ने वाले मुद्दों को उठा कर अपनी राजनीति आगे बढ़ाने की बजाय समाज को बांटने वाले मुद्दे उठा कर उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी किसी को दबाने या हटाने की भाषा नहीं है, बल्कि यह जोड़ने की भाषा है। यह विविधता में एकता के भारतीय दर्शन को व्यवहार में उतारती है। उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी भारत की आत्मा की आवाज़ है, यह उस किसान की बोली है, उस सैनिक का आदेश है, उस कवि की कल्पना है और उस आम आदमी का माध्यम है जो पूरे देश से जुड़ना चाहता है। इसे समझना, अपनाना और सम्मान देना ही असली भारतीयता है। आज जो लोग उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने पर नृत्य कर रहे हैं उन्हें भी यह बात समझनी चाहिए कि चचेरे भाई तो आपस में जुड़ गये मगर आपको भाषा के नाम पर भड़का कर अपने पड़ोसियों और अपने सहयोगियों से अलग कर दिया।

बहरहाल, जहां तक उद्धव और राज ठाकरे के साथ आने की बात है तो आपको बता दें कि दोनों नेताओं का एक साथ आना महज भाषाई चिंता नहीं है, बल्कि इसमें एक गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी हुई है।

वर्ग पहेली 5784

संकेत: बाएं से दाएं

1. 11 अगस्त 1908 को इस महान क्रांतिकारी फांसी दी गई (7)
7. दमन करने वाला (5)
8. अंतरिक्ष, आकाश, आसमान (2)
9. नृत्य करवाना (3)
11. पार्श्व, पहलू, पक्ष (3)
12. जल, आब, नीर, पानी (2)
13. विवाह के समय होने वाली एक रस्म, शशि कपूर-आशापारेख अभिनीत एक फिल्म (1968)(4)
15. स्वभाव, लत, व्यसन (3)
16. निर्णीत, फैसला किया हुआ, ठहराया हुआ (2)
17. तौल की एक सूक्ष्म ईकाई ता आइ रत्ती के बराबर होती है (2)
18. विलक्षण वस्तु या करतब, चमत्कार, पराकाष्ठा (3)
20. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (सिर्फ नाम)(3)
21. करने वाला, रचने वाला, साधक (2)
22. यथेष्ट, आवश्यकता से अधिक, अत्यधिक ज्यादा (3)

ऊपर से नीचे

1. स्वयं, आप (2)
2. एक प्रकार का कीट जो कागज आदि को हानि पहुंचाता है (3)
3. जंघा, जांघ (2)
4. चक्राकार बंदूक यह कहलाती है (5)
5. बातचीत, वार्तालाप (4)
6. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
10. बल, शक्ति, पॉवर (3)
11. जो भाग्य में लिखा हुआ हो (2)
12. अभियोग, तर्क, दार्शनिक प्रणाली (2)
14. न्यायाधीश, जज, न्याय करने वाला (4)
15. प्रत्याशतीत, कल्पनातीत, स्वप्नातीत, अकल्पनीय (4)
19. रदपट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (2)

वर्ग पहेली 5783 का हल

प	द	मा		चं	ब	ल	
रि	या	ज्ञ		ग	ल	त	
व		सा		ला	वा		वा
र्त			मु			गै	र
न	ई	दु	नि	या			दा
	द	र्ज		द	ह	रा	त
चौ	मा	न		गा	य		
रा	ह		बा	र			पौ

पुराने वाहनों पर प्रतिबंध लगने ही चाहिए

(मनीष शर्मा)

पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल-डीजल न देने का जो नियम दिल्ली में लागू किया गया है, उसका विरोध करने वाले लोग वास्तव में संकीर्ण मानसिकता का परिचय दे रहे हैं। द्रवित लोग कह रहे हैं कि गाड़ी नहीं बंद करवानी चाहिए थी। गरीब और मध्यवर्गीय परिवार एक बार ही गाड़ी ले पाता है और उसे भी सरकार स्क्रैप बना रही है। सरकार ऑटोमोबाइल कंपनियों से मिल गई है। गाड़ी लेते समय टैक्स लेती है, तो फिर समय-पूर्व बंद क्यों? आदि-आदि...। ये सारी दलीलें सुनने में जरूर अच्छी लगती हैं, लेकिन ये पूरी तरह सही नहीं हैं। कैसे? सबसे पहली बात, इस फैसले में किसी पार्टी या सरकार की कोई भूमिका नहीं है। दिल्ली-एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला सुप्रीम कोर्ट का है। इस नीति को लागू करने में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेष रूप से 1 जुलाई, 2025 से इन वाहनों को ईंधन आपूर्ति बंद करने के निर्देश देकर। यह फैसला काफी पहले लिया गया था और लोगों को पता था कि एनसीआर में पेट्रोल और डीजल की पुरानी गाड़ियां नहीं चलेंगी। अलबत्ता, कुछ साल पहले सरकार ने स्क्रैप पॉलिसी भी बनाई कि रद्दी में बेचने पर गाड़ी के मूल्य का कुछ हिस्सा आपको मिल जाएगा और साथ ही जब नई गाड़ी लेंगे, तो उसमें भी कुछ लाभ मिलेगा। साफ है, यह नियम रातोंरात नहीं बना है। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि सरकार ने ऑटोमोबाइल लॉबी के दबाव में ऐसा किया है। दूसरी बात, सरकार किसी की भी हो, यदि वह कड़े कदम उठाती है, तो उसका विरोध होता ही है। लगभग यही बातें हमने करीब दो दशक पहले भी सुनी थीं, जब दिल्ली की तत्कालीन सरकार ने सरकारी बसों में सीएनजी लगवाने का फैसला लिया था। 1998 में जब सुषमा स्वराज दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं, तब यह योजना बनाई गई कि 2001 तक दिल्ली की सरकारी बसों में सीएनजी लगा देना चाहिए, क्योंकि प्रदूषण काफी बढ़ गया था। 2001 में शीला दीक्षित की सरकार थी। उसने यह फैसला कड़ाई से लागू किया। बड़ा हल्ला मचा। मगर भाजपा और कांग्रेस, दोनों सरकारों ने यह कदम उठाया और दिल्ली में सीएनजी लागू हो गया। ठीक आज जैसे तर्क तब भी दिए जा रहे थे, लेकिन जनहित में सरकार ने पीछे न हटने का फैसला किया। आज सीएनजी लागू होने का बड़ा प्रभाव दिखता है, वरना दिल्ली में 2000 के दशक में सांस लेना तक दूभर हो चुका था। तो, गुजारिश यही है कि हम सभी वस्तु-स्थिति को समझें और तब अपनी बात रखें। पर दिल्ली सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया है। (लेखक टिप्पणीकार है)

आज का राशिफल

मेष

आज संभलकर काम करने का दिन है। धन को लेकर सजग रहना होगा, विशेषकर ऋण लेने या देने के मामलों में। किसी बैंक, संस्था या व्यक्ति से लोन लेने से पहले शर्तों को ध्यान से पढ़ें। निवेश या नई आर्थिक योजना बनाते समय बुजुर्गों या विशेषज्ञों की सलाह लें।

वृष

आज दिन काफी व्यस्तता से भरा बीतेगा। दिनभर कार्यों की अधिकता बनी रहेगी। व्यापार में चल रही पुरानी योजना को धन निवेश से गति मिल सकती है। जो लोग प्रॉपर्टी या गाड़ी खरीदने की सोच रहे हैं, उनके लिए दिन शुभ रहेगा। पैर में चोट लगने की आशंका बन रही है। सावधानी रखें।

मिथुन

आज दिन सुख शांति से बीतेगा। धार्मिक कार्यों व आत्मिक शांति की ओर आपका झुकाव रहेगा, जो मानसिक रूप से सकारात्मक परिणाम देगा। धन प्राप्ति के आकस्मिक योग बन सकते हैं, जैसे लॉटरी, बोनस या किसी निवेश से लाभ होगा।

कर्क

आज लाभ का दिन है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। ननिहाल पक्ष से आर्थिक या भावनात्मक सहयोग मिलेगा। व्यापार में नई साझेदारी की बात चल सकती है, लेकिन निर्णय सोच-समझकर लें।

सिंह

आज मन ही मन थोड़ा परेशान रहेंगे। कोई भी जिससे निर्णय लेने में कठिनाई होगी। लेकिन व्यापार या नौकरी से जुड़ी समस्याओं का समाधान अनुभव के आधार पर हो जाएगा। नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो थोड़ी प्रतीक्षा करें।

कन्या

आज दिन साहस से भरा होगा। आप कठिन परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेंगे। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण मीटिंग या प्रेजेंटेशन आपको बड़ा अवसर दिला सकती है। व्यापार में साझेदार से मधुर संवाद होगा।

तुला

आज भाग्य साथ देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन पदोन्नति और वेतन वृद्धि की संभावना लेकर आया है। नए संपर्क आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं। अगर आप कोई स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, तो नई योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक

आज व्यवसाय में थोड़ी अस्थिरता रह सकती है, खासकर अगर आप निर्माण, ठेकेदारी या तकनीकी सेवाओं से जुड़े हैं। कर्मचारियों से सामंजस्य बनाकर चलें, नहीं तो कार्यस्थल पर मतभेद हो सकते हैं। दोपहर बाद स्थितियां नियंत्रण में आएंगी।

धनु

आज दिन उत्साहवर्धक है और भाग्य आपको हर मोर्चे पर सहयोग देगा। शिक्षकों, शोधकर्ताओं और कंसल्टेंसी सेवाओं से जुड़े लोग नए अवसरों की उम्मीद कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के प्रबल योग हैं, विशेषतः यदि आपने हाल में किसी परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

मकर

आज दिन आर्थिक जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। घर से जुड़ी किसी मरम्मत या सजावट पर खर्चा हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय में निर्णय लेने का समय है। खासकर यदि आप रिटेल, खाद्यान्न या कंस्ट्रक्शन से जुड़े हैं। नौकरीपेशा लोगों को बॉस से अप्रत्याशित सराहना या नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ

आज सम्मान में वृद्धि होगी। तकनीक, डिजाइन, एनिमेशन, ऐप डेवलपमेंट या इनोवेशन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। कोई नया क्लाइंट मिल सकता है या पुराना ग्राहक बड़ा ऑर्डर दे सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको नेतृत्व का अवसर मिल सकता है। टीम को साथ लेकर चलें।

मीन

आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके सामने नई आर्थिक संभावनाएं प्रकट होंगी। व्यापार विस्तार, मार्केटिंग या विज्ञापन से जुड़ी योजनाओं में निवेश करना लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। पति-पत्नी या जीवनसाथी का सहयोग आपको आर्थिक निर्णयों में सही मार्ग देगा।

गैंगरेप के बाद प्रभावशाली व्यक्ति से मिला था मोनोजीत मिश्रा

मांग रहा था मदद मगर...

कोलकाता , एजेंसी। कोलकाता लॉ कॉलेज की फर्स्ट ईयर की छात्रा से गैंगरेप मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इसके मुताबिक, 25 जून को वारदात के एक दिन बाद मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा ने अपने मेंटर्स से मदद मांगी थी।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार लोग मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा, छात्र जैब अहमद, प्रमीत मुखर्जी और 55 वर्षीय सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी शामिल हैं। ये सभी फिलहाल हिरासत में हैं। यह घटना कॉलेज कैंपस के अंदर हुई थी और पुलिस इसकी गहन जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, घटना के बाद मोनोजीत मिश्रा दक्षिण कोलकाता के कई इलाकों में गया था। रासबिहारी, देशप्रिय पार्क, गरियाहाट, फर्न रोड और बालीगंज स्टेशन रोड में भटकते हुए उसने अपने परिचितों से संपर्क करने की कोशिश की। मोबाइल टावर डेटा से पता चला कि वह पुलिस स्टेशन के पास भी गया था। एक जांच अधिकारी ने बताया कि 26 जून को मोनोजीत ने देशप्रिय पार्क में एक प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात की, लेकिन उसने मामले की गंभीरता को देखते हुए मदद करने से इनकार कर दिया। उसने पीछे हट जाने की सलाह दी थी।

गार्ड के कमरे में पी थी शराब

पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि तीनों आरोपियों ने घटना के बाद गार्ड के कमरे में शराब पी थी। उन्होंने सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को इस घटना के बारे में चुप रहने के लिए कहा था। इसके बाद, तीनों उसी रात ईएम बायपास पर एक ढाबे में गए और रात का खाना खाया था। वे वहां से अगली सुबह अपने घर लौट गए। कोलकाता पुलिस इस मामले में और सबूत जुटाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए मोबाइल डेटा और अन्य सुरागों की जांच की जा रही है।

गला कटने के बाद भी जिंदा था कृष, कैसे पहुंच गया बाथरूम; मुकेश ने बताई दिल्ली डबल मर्डर की पूरी कहानी

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते दिनों दिल्ली के लाजपतनगर में एक खौफनाक घटना सामने आई। यहां घर में काम करने वाले एक नौकर ने मां और उनके बेटे की गला काटकर हत्या कर दी।

पुलिस ने आरोपी नौकर मुकेश को गिरफ्तार कर लिया है। मुकेश ने इस मामले को लेकर नया खुलासा किया है। मुकेश ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि उसने पहले रुचिका का गला काटा उसके बाद बेटे कृष के गले पर भी छुरी चला दी।

मुकेश ने बताया कि उसने कृष का गला उसके कमरे में ही काटा था और जब वह घर से बाहर निकला तब तक कृष जिंदा था। ऐसे में एक सवाल सामने आया कि जब मुकेश ने कमरे में कृष का गला काटा तो वो बाथरूम में कैसे पहुंच गया।

बाथरूम कैसे पहुंचा कृष

मुकेश ने पहले मां रुचिका का गला काटा और फिर गवाह को खत्म करने के लिए बेटे का गला भी रेत दिया। मुकेश ने बताया कि जब दोनों की हत्या करने के बाद घर से निकला, तब तक कृष जिंदा था। मुकेश ने बताया कि उसने कृष का गला उसके रूम में रेत दिया था।

इस मामले पर पुलिस का कहना है कि गला कटने के बाद पानी पीने के प्रयास में कृष बाथरूम तक गया होगा और वहीं दम तोड़ दिया होगा।

लाजपतनगर में मां-बेटे की हत्या करने के बाद आरोपी मुकेश घर से बाहर आया और बिहार की तरफ निकल गया। मुकेश जब मुगलसराय रेलवे स्टेशन पर पहुंचा तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पुलिस को बताया कि वो अपने पिता और भाइयों के साथ अमर कॉलोनी में रहता था।

पुलिस ने बताया कि मुकेश को काम पर रखने के दौरान रुचिका के घरवालों ने उसका पुलिस वेरीफिकेशन नहीं करवाया था।

मुकेश कहां से लाया था चाकू

मुकेश ने मां और बेटे दोनों की हत्या की बात कबूल ली है। मुकेश ने यह भी बताया कि उसने हत्या करने के लिए किचन वाला चाकू अपने घर से ही लेकर आया था। मुकेश ने बताया कि उससे उधार दिए 45 हजार रुपए और दो फोन बार-बार मांग रहे थे और इसको लेकर डांटा भी था और जॉब छोड़ देने के लिए कहा था, इसलिए उसने पहले रुचिका का गला रेता और फिर गवाह ना बचे इसलिए बेटे कृष को भी मौत के घाट उतार दिया।

संक्षिप्त समाचार

खेत देखने निकले, गलती से पाकिस्तान चले गए अमृतपाल सिंह; मोदी सरकार से परिवार की गुहार

फिरोजपुर , एजेंसी। करीब एक पखवाड़े पहले अनजाने में सीमा पार करके पाकिस्तानी क्षेत्र में चले गए फिरोजपुर के 23-वर्षीय किसान अमृतपाल सिंह के परिवार ने शनिवार को विदेश मंत्रालय से आग्रह किया कि वह जल्द से जल्द उसकी (सिंह की) सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। पंजाब में फिरोजपुर जिले के 'खैरे के उत्तर' गांव निवासी अमृतपाल सिंह 21 जून को भारत-पाकिस्तान सीमा पर लापता हो गए थे। वह सीमा सुरक्षा बल की निगरानी में सीमा चौकी (बीओपी) राणा के पास बाड़ के पार स्थित अपने खेत की देखभाल करने गए थे। सिंह शाम पांच बजे गेट बंद होने के निर्धारित समय से पहले वापस नहीं लौटे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को बाद में पाकिस्तानी सीमा की ओर जाते हुए पैरों के निशान मिले, जिससे अनजाने में सीमा पार करने की आशंका बढ़ गई। बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर्स के साथ तीन से चार 'फ्लैग मीटिंग' की। हालांकि, पाकिस्तानी पक्ष ने शुरुआत में किसी अज्ञात व्यक्ति के देखे जाने से इनकार किया।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने 27 जून को बीएसएफ अधिकारियों को जानकारी दी कि सिंह स्थानीय पुलिस की हिरासत में हैं। अमृतपाल के पिता जुगराज सिंह ने जिला अधिकारियों से आग्रह किया कि राज्य सरकार को उनके बेटे की वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इस मामले पर चर्चा करनी चाहिए। अमृतपाल सिंह शादीशुदा हैं और उसकी तीन महीने की बेटी है। उनके पास सीमा पर बाड़ के पार भारतीय सीमा में करीब 8.5 एकड़ कृषि भूमि है। पिता ने बताया कि वह दोपहर को अपनी बाइक पर सवार होकर गए थे, लेकिन शाम को वापस नहीं लौटे। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने अंधेरा होने से पहले भी दोबारा गेट खोला, लेकिन वह नहीं लौटे। गर्मियों के महीनों में किसानों को सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे के बीच बीएसएफ की सख्त निगरानी में कांटेदार तार की बाड़ और अंतरराष्ट्रीय सीमा के बीच की भूमि तक जाने की अनुमति दी जाती है। फाजिल्का, फिरोजपुर, गुरदासपुर, पठानकोट, अमृतसर और तरनतारन सहित सीमावर्ती जिलों के कई किसानों की कृषि भूमि इस क्षेत्र में है, जिसे 'जीरो लाइन' के रूप में जाना जाता है।

देवता को भोग लगाने के लिए चाहिए थे पैसे, 12 साल के बेटे को बंधुआ मजदूरी के लिए 20000 में सौंप दिया

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। एक बाप ने अपने बेटे को पैसे के लिए बंधुआ मजदूर के रूप में रिश्तेदार को सौंप दिया। दरअसल, बाप को गांव में एक देवता को भोग लगाने के लिए पैसों की जरूरत थी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि 12 साल के एक लड़के को उसके पिता ने बंधुआ मजदूरी के लिए 20000 रुपये में 10 महीने के लिए एक रिश्तेदार को सौंप दिया था।

हालांकि लड़का भागने में सफल रहा और उसे बूंदी रेलवे स्टेशन से बचा लिया गया। उसके पिता अपने गांव में एक देवता को भोग लगाना चाहते थे। इसके लिए उन्हें 20000-25000 रुपए की जरूरत थी। इसलिए उन्होंने लड़के को अपने रिश्तेदार को सौंप दिया, जो बूंदी में पॉप आर्ट मूर्तियां बनाता था। चाइल्डलाइन 1098 के जिला समन्वयक रामनारायण गुर्जर ने बताया कि बूंदी चाइल्डलाइन को गुरुवार को जयपुर कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि बूंदी रेलवे स्टेशन पर एक लड़का बैठा है। वह उदयपुर जाना चाहता था। उन्होंने बताया कि वे और काउंसलर मंजीत मौके पर पहुंचे और लड़के को बचाया। उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया गया। बूंदी सीडब्ल्यूसी की अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि 21 जून को बच्चे को बूंदी लाया गया था। सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक उससे काम करवाया जाता था। उन्होंने बताया कि लड़का वहां काम नहीं करना चाहता था। चूंकि उसके पिता ने पैसे ले लिए थे, इसलिए वह घर नहीं लौट सका। गुरुवार को लड़के ने भागने का फैसला किया और बूंदी रेलवे स्टेशन पहुंच गया।

एनसीआर में आएगी रोजगार की बहार गाजियाबाद में बसेगा नया इंडस्ट्रियल एरिया

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद में एक और औद्योगिक क्षेत्र बसाया जाएगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए शहर के बाहर डासना, भोजपुर, मुरादनगर, लोनी समेत अन्य क्षेत्रों में जमीन की तलाश की जा रही है। माना जा रहा है कि एक दो माह में जमीन तलाश कर इस योजना को परवान चढ़ाया जाएगा। जीडीए राजनगर एक्सटेंशन में 500 हेक्टेयर क्षेत्रफल में नई हरनंदीपुरम आवासीय टाउनशिप ला रहा है। इसी के साथ प्राधिकरण ने औद्योगिक योजना लाने पर भी काम शुरू किया है। पिछले दिनों गाजियाबाद के प्रभारी मंत्री और राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने औद्योगिक योजना लाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अब प्राधिकरण ने औद्योगिक योजना के लिए जमीन की तलाश शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि ये औद्योगिक योजना भी 200 हेक्टेयर क्षेत्रफल से अधिक में लाई जा सकती है, जिसमें उद्यमियों के लिए सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

इन योजना में उद्यमियों के लिए छोटे से लेकर बड़े प्लॉट तक मौजूद रहेंगे, ताकि जरूरत के अनुसार उद्यमी इन प्लॉट पर फैक्ट्रियां और कारखाने लगा सकें। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे व नए उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है। साथ ही इस योजना में बहुउद्देश्य भवन भी बनाया जा सकता है, ताकि उद्यमी इसमें अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगा सकें। साथ ही बाहरी लोगों को इस प्रदर्शनी के जरिए योजना से जोड़ सकें। जीडीए अधिकारी बताते हैं कि मुख्य रूप से जमीन उस क्षेत्र में देखी जा रही है, जहां वाहनों की बेहतर कनेक्टिविटी होगी, ताकि माल लाने और तैयार माल ले जाने में कोई दिक्कत न हो सके।

हाईवे के किनारे आ सकती योजना: जीडीए अधिकारी बताते हैं कि इसे मुख्य रूप से हाईवे के किनारे लाने की योजना है। इसके लिए डासना, भोजपुर, मुरादनगर, लोनी समेत अन्य क्षेत्रों में जमीन तलाश की जा रही है।

साथ ही ईस्टर्न पेरिफेरल, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, नॉर्दर्न पेरिफेरल रोड आदि के आसपास भी जमीन देखी जा रही है। देखा जा रहा है कि इन क्षेत्रों में प्राधिकरण की पहले से जमीन है या उसे सारी जमीन किसानों से खरीदनी होगी। यदि किसानों से जमीन खरीदनी होती तो उसे कितने रुपये वहन करने होंगे।

इस समय कवि नगर समेत कई औद्योगिक क्षेत्रः

गाजियाबाद में इस समय कविनगर औद्योगिक क्षेत्र, बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र, साउथ साइड जीटी रोड, साहिबाबाद साइट चार, मेरठ रोड साइट तीन व सेक्टर 22, उद्योग कुंज, एमजी रोड, लोनी रोड, ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र, मुकंद नगर, मेनापुर औद्योगिक क्षेत्र, पांडव नगर, मोदीनगर औद्योगिक क्षेत्र हैं। अतुल वत्स, उपाध्यक्ष, जीडीए गाजियाबाद में उद्यमियों की जरूरतों का ध्यान रखते हुए औद्योगिक योजना लाई जाएगी। इसके लिए जमीन की तलाश की जा रही है, ताकि योजना जल्द परवान चढ़ाई जा सके। श्रीनाथ पासवान, उपायुक्त उद्योग, गाजियाबाद औद्योगिक नगरी है। यहां सभी तरह के उत्पाद तैयार होते हैं। निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। औद्योगिक योजना आने से निवेशकों को लाभ होगा।

भांजे ने लिव-इन रिलेशन में साथ रह रही मामी का काट डाला गला

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में एक शादीशुदा प्रेमी ने रिश्ते में मामी लगने वाली प्रेमिका का कत्ल कर दिया। दोनों एक साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। पुलिस ने हत्या के महज कुछ ही घंटों बाद शनिवार को मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामी और भांजा पिछले आठ साल से रिलेशनशिप में थे। महिला के तीन बच्चे हैं, जबकि प्रेमी भी चार बच्चों का पिता है। पुलिस के मुताबिक, दादरी के मेवतियान मोहल्ले में मुकीम अपनी पत्नी और चार बच्चों के साथ रहता है। मुकीम ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में वेल्डिंग का काम करता है। दादरी कोतवाली क्षेत्र स्थित लुहारली गांव में मुकीम के मामा रहते हैं। मामा के घर आने-जाने के दौरान उसका अपनी मामी शबनम के साथ प्रेम प्रसंग शुरू हो गया।

इसके बाद दोनों ग्रेटर नोएडा वेस्ट के हैबतपुर में किराये के मकान में लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। इस बात को लेकर मुकीम का उसकी पत्नी से झगड़ा होने लगा। मुकीम की पत्नी शबनम को साथ रखने का विरोध करने लगी। उधर, प्रेमिका शबनम भी प्रेमी पर अपनी पत्नी को छोड़ने का दबाव बनाने लगी। दोनों तरफ से घिरे मुकीम ने प्रेमिका शबनम को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। इसके लिए उसने करीब 15 दिन पहले कुलेसरा स्थित निर्माण विहार कॉलोनी में किराये पर कमरा लिया। शुक्रवार को मुकीम और शबनम के बीच झगड़ा हुआ। इसी बीच मुकीम ने चाकू से गला रेतकर शबनम की हत्या कर दी। इसके बाद वह फरार हो गया। शोर सुनकर पड़ोसियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो घर में शबनम का शव लहूलुहान हालत में पड़ा था। घटना की सूचना पुलिस ने तुरंत शबनम के परिजनों को दी। शबनम के परिजन मौके पर पहुंचे। शबनम के बेटे ने आरोपी मुकीम के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस ने तुरंत मुकीम की तलाश शुरू की। सेक्टर इकोटेक-3 पुलिस की टीम ने शनिवार की सुबह चौगानपुर गोलचक्कर के पास मुठभेड़ के दौरान हत्यारोपी मुकीम को धर दबोचा। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया था। पुलिस ने आरोपी के पास से एक बाइक, तमंचा और चाकू बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

बच्चों के विरोध के कारण वारदात को अंजाम दिया

पुलिस के मुताबिक, मुकीम और शबनम पिछले आठ साल से रिलेशनशिप में थे। मुकीम के चार और शबनम के तीन बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि करीब आठ साल पहले शबनम को उसके पति ने तलाक दे दिया था। इसके बाद से दोनों एक दूसरे के संपर्क में आए। दोनों अपने बच्चों को छोड़कर एक साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे, लेकिन अब दोनों के बच्चे इस बात का विरोध करने लगे।

म्यूजिक टीचर ने 12 साल की बच्ची से की घिनौनी हरकत, फरार आरोपी को देहरादून पुलिस ने दबोचा

देहरादून , एजेंसी। उत्तराखंड के देहरादून जिले के प्रेमनगर क्षेत्र में एक म्यूजिक टीचर द्वारा 12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़ित बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी म्यूजिक टीचर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को पीड़ित बच्ची के पिता ने प्रेमनगर थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी विश्वास दत्त शर्मा निवासी प्रेमनगर के पास संगीत सीखने जाती थी। आरोप लगाया कि वह बेटी के साथ लंबे समय से अश्लील हरकत कर रहा था। बाद में उसने डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची ने घर आकर परिजनों को आपबीती सुनाई। उसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे शुक्रवार को दरू चौक प्रेमनगर से गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

क्रशर प्लांट में बंधक बच्ची की मौत, हत्या के आरोप में लगाया जाम

वहीं, डोईवाला क्षेत्र में शनिवार को एक क्रशर प्लांट में बंधक बनाई गई बच्ची की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने आरोपियों पर बच्ची के साथ दुर्व्यवहार कर हत्या करने का आरोप लगाया है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों ने डोईवाला कोतवाली का घेराव कर सड़क जाम कर दी।

जल्द अमीर बनने की चाह में आईआईटी पास व एमसीए डिग्री वाले कर रहे लोगों के खाते खाली

नईदिल्ली, एजेंसी। रातों-रात अमीर बनने की चाह में पढ़े-लिखे युवा भी अपराध की दुनिया का रुख कर रहे हैं। साइबर ठगी की वारदातों में ऐसे युवा पकड़े जा रहे हैं, जो आईआईटी समेत कई अन्य प्रतिष्ठित कॉलेजों से एमसीए, बीसीए और बीबीए जैसी डिग्रियां ले चुके हैं। पुलिस के अनुसार, तकनीकी रूप से दक्ष ये युवा कभी केवाईसी के नाम पर तो कभी सिम ब्लॉक, डिजिटल अरेस्ट और तोहफे का लालच देकर खाते खाली कर रहे हैं। इनका कोई स्थायी ठिकाना भी नहीं है। बड़े होटलों से लेकर विदेश तक में बैठकर ये लोगों को निशाना बना रहे हैं।

विशेषज्ञों से ही लें वित्तीय सलाह

ये ठग निवेश, क्रिप्टो ट्रेडिंग या वित्तीय सलाह देने के नाम पर फंसाते हैं। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी भी माध्यम से कोई मुफ्त सलाह दे रहा है तो सावधान हो जाएं। हमेशा व्यावसायिक संस्था

या विशेषज्ञ से ही वित्तीय निवेश की सलाह लें।

कंपनी बनाकर 400 करोड़ की जालसाजी:

राजस्थान पुलिस ने 35 लाख की ठगी में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने बताया कि वे शशिकांत के लिए काम करते हैं। शशिकांत आईआईटी से स्नातक की डिग्री ले चुका है। वह गेमिंग और शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ठगता था। आरोपियों के खातों से 400 करोड़ का लेन-देन मिला है।

एमसीए और बीबीए पास करके बने ठग: गोरखपुर के रहने वाले दो युवाओं ने साथियों के साथ मिलकर एक माह में 10 करोड़ ठगे। आरोपी निहाल (एमसीए) और शशि सिंह (बीबीए) के पास प्रोफेशनल डिग्री थी। ये सोशल मीडिया या टेलीग्राम के माध्यम से वित्तीय सलाह देने के नाम पर ठगते थे। शाहदरा की साइबर टीम ने दोनों को गिरफ्तार किया है।

खुद का ऐप बनाकर लोगों को चपत लगाई: दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस ने कोटला मुबारकपुर से हिमांशु को गिरफ्तार किया। हिमांशु बीसीए की डिग्री ले चुका है। उसने दोस्तों के साथ मिलकर अपने गिरोह में स्नातक युवा शामिल कर रखे थे। आरोपियों ने एक ऐप भी बनाया था। ये शेयर बाजार में निवेश करने के नाम पर ठगी को अंजाम देते थे।

श्रीनगर में 70 साल बाद इतना तापमान

बरसात के दिनों में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में शनिवार को 7 दशकों में जुलाई का सबसे गर्म दिन रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस मौसम के दौरान औसत तापमान से 7.8 डिग्री अधिक है। यह तापमान शहर में अब तक का तीसरा सबसे अधिक तापमान है और 1953 के बाद से सबसे अधिक है। श्रीनगर में अब तक का सबसे अधिक तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस है, जो 10 जुलाई, 1946 को दर्ज किया गया था। इसके अलावा, वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविरों में से एक पहलगाम में पर्यटक रिसॉर्ट में सबसे गर्म जुलाई का दिन रहा। यहां तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पिछला रिकॉर्ड 31.5 डिग्री सेल्सियस था, जो पिछले साल 21 जुलाई को दर्ज किया गया था। कश्मीर में जून

से ही भीषण गर्मी पड़ रही है और लगातार चल रही लू ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ ने कहा कि घाटी में गर्मी ने कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। उन्होंने असामान्य रूप से भीषण गर्मी को देखते हुए कहा, श्रीनगर में आज सामान्य दिन की तुलना में 6.7 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया। पर्यटन स्थलों में पहलगाम में सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ते हुए अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

कुपवाड़ा और गुलमर्ग का क्या हाल

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 2006 के बाद से सबसे अधिक है। कश्मीर के प्रवेश द्वार शहर काजीगुंड में अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो जुलाई महीने में अब तक का दूसरा सबसे अधिक तापमान है। कोकरनाग के अन्य पहाड़ी रिसॉर्ट में 34.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो शहर के इतिहास में जुलाई महीने का दूसरा सबसे अधिक तापमान है। उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग के पहाड़ी रिसॉर्ट में दिन का तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 24 घंटों में केंद्र शासित प्रदेश में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है।

मैं यूपी का, महाराष्ट्र के लिए खून बहाया, तब आपके योद्धा कहां थे? 26/11 के हीरो का राज ठाकरे से सवाल

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र में भाषा को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस बीच कमांडो फोर्स के एक पूर्व जवान ने राज ठाकरे से सवाल किया है। उन्होंने पूछा है कि मुंबई पर आतंकी हमलों के दौरान आपके योद्धा कहां थे? इस जवान का नाम प्रवीण कुमार तेवतिया है। प्रवीण ने 26/11 को हुए मुंबई हमले के दौरान तमाम लोगों की जान बचाई थी। उन्होंने ताज होटल में 150 लोगों को बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। अब इस जवान ने राज ठाकरे से कहा है कि मैं यूपी का रहने वाला हूं। मैंने महाराष्ट्र के लिए अपना खून बहाया है। भाषा के नाम पर देश को मत बांटिए।

पोस्ट की है फोटो

प्रवीण कुमार तेवतिया मरीन कमांडो फोर्स (मार्कोस) में रह चुके हैं। तेवतिया ने अपनी एक फोटो भी पोस्ट की है। इसमें वह यूनिफॉर्म पहने हुए हैं और मुस्कुरा रहे हैं। उनकी बुलेटप्रूफ जैकेट पर यूपी लिखा हुआ है और उनके गले से बंदूक लटक रही है। तेवतिया ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'मैंने 26/11 हमले में मुंबई को बचाया। मैं

यूपी से हूं और मैंने महाराष्ट्र के लिए खून बहाया।' उन्होंने आगे लिखा है कि मैंने ताज होटल बचाया। उस वक्त राज ठाकरे के ये तथाकथित योद्धा कहां थे? देश को बांटिए मत। मुस्कुराहट की कोई भाषा नहीं होती।

150 लोगों को बचाया था

प्रवीण कुमार ने मुंबई पर आतंकी हमले के दौरान अपनी टीम का नेतृत्व किया था। इस दौरान उनकी टीम ताज होटल में फंसे लोगों को निकालने के अभियान में लगी थी। इस अभियान के दौरान प्रवीण को कई चोटें लगीं।

सुपरयूनाइटेड रैपिड: गुकेश रहे रैपिड के विजेता अब नजरे ब्लिट्ज के मुकाबलों पर

जागरेब , क्रोशिया, एजेंसी। भारत के डी गुकेश ने एक बार फिर दिखा दिया कि वह क्यों इस समय विश्व शतरंज चैम्पियन है । ज़ाग्रेब में चल रही सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज 2025 प्रतियोगिता के रैपिड वर्ग का समापन एकतरफा अंदाज़ में हुआ, जहाँ गुकेश ने 14 अंकों के साथ स्पष्ट बढ़त लेते हुए खिताब अपने नाम किया और ब्लिट्ज से पहले 3 अंकों की बेशकीमती बढ़त भी बना ली। पोलैंड के यान डूड़ा 11 अंको के साथ दूसरे और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और पाँच बार के विश्व चैम्पियन रहे मैगनस कार्लसन 10 अंको के साथ तीसरे स्थान पर रहे ।

तीसरे दिन की शुरुआत में उन्होंने अनीश गिरी के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलते हुए ड्रॉ खेला और फिर मेज़बान देश के इवान सारिच के खिलाफ भी बाज़ी बराबरी पर समाप्त हुई। हालांकि अंतिम राउंड में गुकेश ने वह कर दिखाया जिसका इंतजार भारतीय खेल प्रेमी कर रहे थे – एक आक्रामक और संतुलित खेल में उन्होंने वेस्ली सो को पराजित करते हुए खिताब पर मुहर लगा दी। गुकेश के खेल की खूबसूरती यह रही कि उन्होंने सिर्फ़ आक्रमण ही नहीं किया बल्कि ज़रूरत के समय बेहतरीन बचाव भी दिखाया। सो के किंग को बीच बोर्ड में घेरते हुए उन्होंने 29वीं चाल में हाथी और ऊंट की अदला-बदली के साथ गेम पर नियंत्रण बना लिया और कुछ ही चालों में जीत पक्की कर दी।

वहीं दूसरी ओर, प्रज्ञानन्दा ने भी शानदार वापसी की और रैपिड में अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए इवान सारिच को प्यादों के एंडगेम में मात दी। रैपिड सेक्शन में सिर्फ़ एकमात्र हार उन्हें गुकेश से मिली थी। अब वह 9 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं और ब्लिट्ज में शीर्ष 3 में आने की पूरी दौड़ में हैं।

अब बारी ब्लिट्ज की

आज से शुरू हो रहा ब्लिट्ज यानी फटाफट शतरंज, जिसमें हर खिलाड़ी को बाकी सभी के खिलाफ दो-दो बाज़ियाँ खेलनी हैं। यहाँ जीत पर मिलेगा 1 अंक और ड्रॉ पर 0.5। रैपिड में जहाँ हर जीत पर 2 अंक मिल रहे थे, ब्लिट्ज में यह अंतर मुकाबलों को और दिलचस्प बना देगा। विजेता को 40,000 अमेरिकी डॉलर और ग्रैंड चेस टूर में 12 या 13 अंक (टाइब्रेक पर निर्भर) मिलेंगे। ब्लिट्ज अभी भी वह हिस्सा है जहां गुकेश को खुद को साबित करना बाकी है और यही वह हिस्सा है जहां कार्लसन गुकेश को पीछे छोड़ सकते है तो देखना होगा की क्या गुकेश इस चुनौती को भी पार करेंगे ।

विंबलडन- नोवाक जोकोविच की 100वीं सिंगल्स जीत

बेटी तारा ने 'पंप इट अप' डांस किया ; वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर राउंड ऑफ 16 में पहुंचे

स्पेन (एजेंसी)। विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर नोवाक जोकोविच ने अपने करियर की 100वीं विंबलडन सिंगल्स जीत दर्ज की। उन्होंने सर्बिया के ही मियोमिर केकमानोविच पर 6-3,6-0, 6-4 से जीत दर्ज की। वहीं स्टेडियम में मौजूद उनकी 7 साल की बेटी तारा जोकोविच ने डांस करके सभी का दिल जीत लिया। मैच के बाद जब जोकोविच ऑन-कोर्ट इंटरव्यू दे रहे थे, तो उनसे इस डांस के बारे में पूछा गया। इस पर जोकोविच ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ये डांस मेरी बेटी तारा और बेटे के साथ हमारी एक फैमिली ट्रेडिशन बन चुका है। इस गाने का नाम है 'पंप इट अप'।

सिनर राउंड ऑफ 16 में पहुंचे - टेनिस के वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर ने विंबलडन के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने तीसरे राउंड के मुकाबले में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को सीधे सेट में हरा दिया। दूसरी ओर विमेंस सिंगल्स में भी नंबर-1 एरिना सबालेंका ने अपना मैच जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

सिनर ने 3 डबल फॉल्ट किए - इटली के सिनर ने मार्टिनेज को 6-1, 6-3, 6-1 के अंतर से हराया। सिनर ने 3 बार अपनी सर्विस डबल फॉल्ट की और मार्टिनेज को पॉइंट्स दे दिए। मार्टिनेज ने एक भी डबल फॉल्ट नहीं किया। मेंस सिंगल्स में इटली के फ्लावियो कोबोली ने भी अगले राउंड में जगह बना ली। उन्होंने चेक रिपब्लिक के याकुब मेनसिक को 6-2, 6-4, 6-2 से हराया।

मेंस डबल्स में भारत के बालाजी हारे -मेंस डबल्स में ब्रिटेन की वर्ल्ड नंबर-6 जोड़ी ने अगले राउंड में जगह बना ली। जो सालिसबरी और नील स्कूप्स्की की जोड़ी ने भारत के ऋत्विक चौधरी बोल्लिपाल्ली और कोलंबिया के निकोलस बारिंटोस की जोड़ी को 6-4, 7-6 (9-7) से हराकर अगले राउंड में एंट्री कर ली। भारत के एन श्रीराम बालाजी और मेक्सिको के मिगुएल एंजल की जोड़ी को वर्ल्ड नंबर-4 जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटिना के होरासियो जेबालोस और स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलर्स ने उन्हें 6-4, 6-4 से हराकर अगले राउंड में एंट्री कर ली।

विमेंस सिंगल्स में जीतीं सबालेंका -विमेंस सिंगल्स के थर्ड राउंड में वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की एरिना सबालेंका ने भी राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। उन्होंने ब्रिटेन की एमा राडुकानू को 7-6 (8-6), 6-4 से हरा दिया। विमेंस सिंगल्स में ऑस्ट्रेलिया की डारिया कासाकिना, स्पेन की जेसिका बौजास मनेरो, स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक, डेनमार्क की क्लारा टौसोन और रूस की मारा एंड्रिवा ने भी राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली।

शुभमन 1 टेस्ट में 430 रन बनाने वाले पहले भारतीय

भारत ने पहली बार हजार रन बनाए, गिल ने 11 छक्के लगाए; टॉप रिकॉर्ड्स

बर्मिंघम (एजेंसी)। बर्मिंघम टेस्ट जीतने के लिए भारत ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया। शनिवार को मुकाबले के चौथे दिन भारत से शुभमन गिल ने 161 रन बनाए। उन्होंने पहली पारी में 269 रन बनाए थे, इसी के साथ वे एक टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। टीम इंडिया ने टेस्ट की दोनों पारियां मिलाकर 1014 रन बनाए। टेस्ट इतिहास में भारत ने पहली बार ही एक मैच में हजार रन का आंकड़ा पार किया।

गिल के रिकार्ड

शुभमन एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान -शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बना दिए। उन्होंने एक टेस्ट में 430 रन बना दिए। यह किसी भारतीय कप्तान से एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन हैं। गिल ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में 293 रन बनाए थे।

400 रन बनाने वाले पहले भारतीय - शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 344 रन बनाए थे। तब गावस्कर ने पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में दोहरा शतक लगाया था। गिल एक पारी में शतक और दूसरी में दोहरा शतक लगाने वाले भारत के दूसरे ही खिलाड़ी बने।

1 टेस्ट में दूसरे हाईएस्ट स्कोरर - शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड से महज 27 रन दूर रह गए। एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ग्राहम गूच के नाम है। जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ ही 456 रन बनाए थे। शुभमन टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले दुनिया के 5वें ही प्लेयर बने।

गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर - शुभमन गिल ने पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 8 छक्के लगाए। उन्होंने 11 सिक्स लगाकर अपनी बैटिंग खत्म की। इसी के साथ वे इंग्लैंड में एक टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के एंड्रूयू फ्लिंटॉफ, बेन स्टोक्स और भारत के ऋषभ पंत को पीछे छोड़ा। तीनों के नाम 9-9 छक्के का रिकॉर्ड था।

पंत इंग्लैंड में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले विदेशी - ऋषभ पंत ने दूसरी पारी में 3 छक्के लगाए। इसी के साथ इंग्लैंड में उनके नाम 24 छक्के हो गए। वे होमग्राउंड से बाहर किसी एक देश में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। पंत ने बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ा, जिनके नाम साउथ अफ्रीका में 21 सिक्स लगाने का रिकॉर्ड है।

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका) (एजेंसी)। कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है।

उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14ः00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3ः49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था।

डब्ल्यूडब्ल्यूई ने बना दी जोड़ी, रिंग में लड़ते-लड़ते बन जीवनसाथी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के गलियारों से एक खुशखबरी आ रही है। रेसलर्स का आपस में शादी करना कोई नई बात नहीं है। डब्ल्यूडब्ल्यूई में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं। ट्रिपल एच और स्टेफनी मैकमोहन इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। अब इस लिस्ट में कार्मेलो हेस और केलानी जॉर्डन का नाम भी जुड़ गया है।केलानी जॉर्डन ने अपने एक्स अकाउंट पर इस खबर को साझा किया। उन्होंने बताया कि हेस ने उन्हें 1 जुलाई को शादी के लिए प्रपोज किया था। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मैंने हां कहा ! और मैं हर जन्म में हां कहूंगी। इस फोटो में दोनों अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। ब्लेक मोनरो, निया जैक्स और लोला वाइस जैसे डब्ल्यूडब्ल्यूई सितारों ने भी उन्हें बधाई दी है।जॉर्डन और हेस 2023 से रिलेशनशिप में हैं। दोनों का डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर भी

काफी सफल रहा है। हेस आज दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा पहलवानों में से एक हैं। कंपनी को उनकी प्रतिभा पर पूरा भरोसा है। यही वजह है कि उन्होंने एनएक्सटी टाइटल जीता है। उन्होंने दो बार डब्ल्यूडब्ल्यूई नॉर्थ अमेरिकन चैंपियनशिप भी जीता है। इसके अलावा, उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई क्रूजवेट टाइटल भी अपने नाम किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई में शादियां होना आम बात है। कई बड़े सितारे आपस में शादी कर चुके हैं।

उम्मीद है कि कार्मेलो हेस और केलानी जॉर्डन भी डब्ल्यूडब्ल्यूई के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराएंगे। फैंस उन्हें एक खुशहाल और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स इस जोड़े के भविष्य को लेकर उत्साहित है।

नीरज चोपड़ा ने हासिल किया एनसी क्लासिक का खिताब, 86.18 मीटर थ्रो के साथ जीता गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपने दमदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने 86.18 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ एनसी क्लासिक 2025 का खिताब अपने नाम किया।

जूलियस येगो को रजत, रुमेश पथिरागे को कांस्य

केन्या के अनुभवी एथलीट जूलियस येगो ने 84.51 मीटर की दूरी तक भाला फेंका और दूसरा स्थान हासिल किया। येगो का यह सर्वश्रेष्ठ प्रयास चौथे राउंड में आया। वहीं, श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 80.10 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

अनिमेष कुजूर-मोहम्मद अफसल का कमाल, यूरोप में अलग-अलग स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े

मोहम्मद अफसल ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनान के सोटिरियोस गारगागनिस (10.23 सेकेंड) और सैमुली सैमुएलसन (10.28 सेकेंड) विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर लेबल मीट में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। स्टार धावक अनिमेष कुजूर ने शनिवार को यूनान में ड्रोमिया इंटरनेशनल स्प्रिंट एंड रिलेज मीटिंग प्रतियोगिता में 10.18 सेकेंड के शानदार समय के साथ 100 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 22 वर्षीय कुजूर ने यूनान की राजधानी एथेंस में गुरिंदरवीर सिंह के 100 मीटर के पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 10.20 सेकेंड को बेहतर बनाया।

यूनान के सोटिरियोस गारगागनिस (10.23 सेकेंड) और सैमुली सैमुएलसन (10.28 सेकेंड) विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर लेबल मीट में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। कुजूर के नाम अब 100 मीटर और 200 मीटर दोनों राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। उन्होंने मई में दक्षिण कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पुरुषों की 200 मीटर फ़ाइनल में 20.32 सेकेंड का समय निकाल पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

इससे पहले एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मोहम्मद अफसल ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया और पोलैंड के पोजनान में मेमोरियल चेस्लावा साइबुलस्कीगो में पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1ः45 मिनट के अंदर का समय निकालने वाले पहले भारतीय बन गए। अफसल ने हांग्झोउ में 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। उन्होंने 1:44.96 मिनट का समय निकाला और टूर्नामेंट की हीट ए 1 में छठे स्थान पर रहे।

देख नहीं सकता, लेकिन जायसवाल का फैन है यह बच्चा

सलामी बल्लेबाज ने की मुलाकात; दिया खास तोहफा

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने एक प्रशंसक दृष्टिबाधित बच्चे रवि को ऑटोग्राफ वाला बल्ला देकर उसकी मुराद पूरी कर दी। यह बच्चा भारतीय बल्लेबाज से मिलने के लिए बेताब था।

क्रिकेट प्रशंसक रवि इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच से जायसवाल से मिलने की कोशिश कर रहे थे और शनिवार को यहां चल रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन आखिरकार उनकी यह इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से अभिभूत होकर, जायसवाल ने बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में जायसवाल ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने रियो डी जेनेरियो पहुंचे PM मोदी

रियो डी जनेरियो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो के गैलेओ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंच गए। वह राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर यहां हैं ताकि ब्रिक्स के 17वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले सकें। यह उनकी चौथी ब्राजील यात्रा है।

1. ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां
सम्मेलन 6-7 जुलाई को विकसित हो रहा है और इसका मुख्य विषय है-।
पहले विदेश मंत्री स्तर पर विवाद के बाद इस बार सभी सदस्यों ने एक जोहिक घोषणा-पत्र पर सहमति बनाई, जिसमें गाजा, इजराइल-ईरान तनाव, अफ्रीका की हस्ष्ट प्रतिनिधित्व की मांग और अमेरिकी संरक्षणवाद की आलोचना जैसे मुद्दों शामिल हैं ।

2. द्विपक्षीय वार्ताएं
सम्मेलन के साथ-साथ पीएम मोदी ब्राजीलिया में राष्ट्रपति लूला से भी मुलाकात करेंगे। प्रमुख चर्चा के मुद्दे होंगे-
रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग।
हरित ऊर्जा और जैव ईंधन
डिजिटल तकनीक और जन संपर्क।
यूएन सुरक्षा परिषद सुधार-त्र4 की पहल पर भी सहमति बनी है।

3. भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी
2024 की त्र20 अध्यक्षता में भारत का नेतृत्व मॉडल बनकर सामने आया और इसका असर ब्राजील के त्र20 एजेंडा पर भी देखा गया। आईबीएसए फोरम के माध्यम से दोनों देश दक्षिण-दक्षिण सहयोग को भी मजबूत कर रहे हैं ।

4. भूटान-दक्षिण दौरे की तैयारियां
यह यात्रा मोदी-जी की 10 वर्षों में सबसे लंबी विदेश यात्रा है, जिसमें पांच देशों - घाना, ट्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया - की यात्रा शामिल है।
ब्राजील यात्रा के बाद उनका अगला पड़ाव नामीबिया में होगा, जहां वे संसद में संबोधन करेंगे और द्विपक्षीय समझौतों पर चर्चा करेंगे ।

ट्रंप और मेलानिया का रोमांटिक अंदाज, व्हाइट हाउस की बालकनी पर डांस और Kiss वायरल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ने व्हाइट हाउस की ट्रूमन बालकनी से इंडिपेंडेंस डे की आतिशबाजी देखी। इसी दौरान उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया, किस किया और साथ में 'ट्रम्प डांस' किया, जिससे संपूर्ण कार्यक्रम में एक रोमांटिक और जोशीला माहौल बन गया। ट्रंप ने धमाकेदार अंदाज में हिप स्वे और फिस्ट-पंच मूव्स के साथ अपना प्रसिद्ध डांस स्टेप दोहराया, जिसे मेलानिया ने भी नजाकत से अपनाया—वे उनके कंधे से हाथ ऊपर-नीचे लहराकर झूमती नजर आईं।समारोह के दौरान ब्रास बैंड और .रूष्ट.. जैसे लोकप्रिय गाने बजाए गए—संगीत के साथ ट्रंप ने ताल से ताल मिलाकर अपने डांस मूव्स दिखाए।
आतिशबाजी के साथ, ट्रंप और मेलानिया एक-दूसरे को किस करने में पीछे नहीं रहे—भीड़ ने "aww" की आवाजों और तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। सोशल प्लेटफ़ॉर्म पर वायरल वीडियो ने लोगों के दिल छू लिए—ट्रंप समर्थकों ने लिखा-एक सच्चा नेता और अमेरिकन लोगों के लिए!मेलानिया के लिए खास तारीफें भी आईं-वह बिल्कुल ग्लो कर रही थीं—पहली पारी में कभी ऐसा नहीं दिखा। उनके सहज रूप और नृत्य की तुलना करते हुए कुछ ने लिखा-इसे देखकर पता चलता है नेताओं में भी दिल होता है।
दिन की शुरुआत मिलिट्री पार्टियों और वेटरन्स के लिए पिकनिक के साथ हुई, जिसमें B2 बमवर्षक और जेट फ्लाईओवर भी शामिल था।

माली में अगवा हुए भारतीय के परिवार से अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन ने फिरौती की मांग की

माली। पश्चिम अफ्रीका के माली में अगवा हुए भारतीय के परिवार से अल-कायदा से जुड़े संगठन ने फिरौती की मांग की है। अगवा किए तीन भारतीयों में से एक ओडिशा के रहने वाले पी. वेंकटरमण के बहनोई ने शनिवार को एएनआई को बताया -वेंकट ने आखिरी बार मुझे 30 जून को फोन किया था। वह पश्चिम अफ्रीका के माली में एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करता था। उसने बताया कि उसकी कंपनी ने उन्हें बाहर जाने से रोक दिया है, क्योंकि आतंकवादियों ने वहां हमला कर दिया है।
उन्होंने कहा- हमें कंपनी से फोन आया कि वह पुलिस की हिरासत में हैं। इसके बाद समाचार में दावा किया गया है कि अल-कायदा ने कुछ लोगों का अपहरण कर लिया है। हमने कंपनी को फोन किया, और पुष्टि की। उन्होंने हमें यह बात सरकार को बताने से मना कर दिया और कहा कि आतंकवादी लोगों के बदले में फिरौती मांग रहे हैं। वेंकटरमन के बहनोई ने भारत सरकार से वेंकटरमण को सुरक्षित घर वापस लाने की अपील की है। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने माली में भारतीय श्रमिकों के अपहरण पर गहरी चिंता जताई।साथ ही पश्चिम अफ्रीकी देश के अधिकारियों से उनकी सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। दरअसल, 1 जुलाई को माली के सीमेंट फैक्टरी पर आतंकियों ने हमला कर 3 भारतीयों को किडनैप कर लिया था।

ट्रंप को अब सीधी टक्कर देंगे एलन मस्क

नए दल का किया ऐलान, नाम रखा- अमेरिका पार्टी

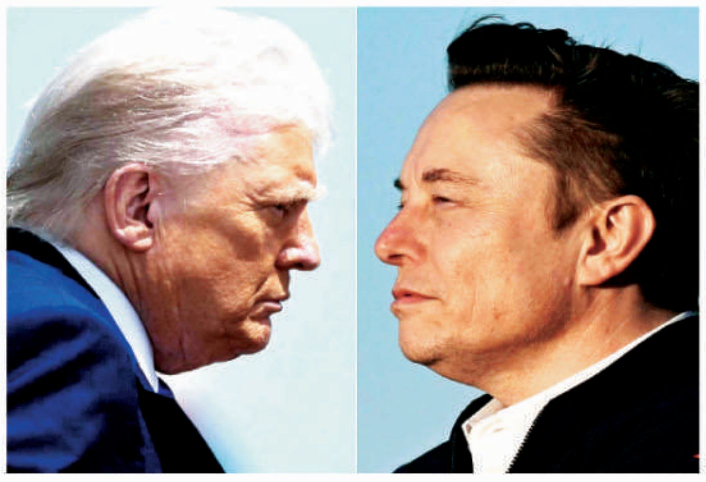

वाशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में तीसरे दल की संभावनाओं को लेकर जारी अटकलों के बीच टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से एक नई राजनीतिक पार्टी अमेरिका पार्टी के गठन का ऐलान कर दिया। यह घोषणा मस्क ने एक्स पर एक दिन पहले पार्टी को लेकर कराए गए पोल के बाद की है।

अपने पोस्ट में एलन मस्क ने लिखा, ÷2=1 के अंतर से आपने नया राजनीतिक दल चाहा और आपको मिलेगा! आज अमेरिका पार्टी बनाई जा रही है ताकि आपकी आजादी आपको लौटाई जा सके।÷

यह ऐलान ऐसे समय पर हुआ है जब एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव अपने चरम पर है। कभी ट्रंप के करीबी माने जाने वाले मस्क ने हाल ही में उनकी महा खर्चीली 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' की तीखी आलोचना की थी।

एलन मस्क ने ट्रंप के पिछले चुनाव प्रचार के दौरान करोड़ों डॉलर की मदद की थी। उनके कार्यकाल में बनी "Department of Government Efficiency" (DOGE) के प्रमुख भी रहे थे। लेकिन ट्रंप द्वारा हाल ही में बड़े पैमाने पर टैक्स कट और खर्चे वाले बिल पर हस्ताक्षर करने के बाद दोनों के बीच संबंध पूरी तरह टूट गए। एलन मस्क ने उस विधेयक को अमेरिका के लिए खतरा करार दिया और ऐलान किया कि वे उन सांसदों के खिलाफ खुलकर चुनावी लड़ाई में पैसे झोंकेंगे, जिन्होंने बिल को समर्थन दिया।

इसके जवाब में ट्रंप ने धमकी दी कि वे एलन मस्क की कंपनियों को मिलने वाली सरकारी सब्सिडी बंद कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने यह कह दिया कि वे एलन मस्क को अमेरिका से निर्वासित करने पर विचार कर सकते हैं।

अमेरिका की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एलन मस्क ने एक्स पर एक पोल जारी किया था। उन्होंने लोगों से पूछा था, ÷क्या आप अमेरिका की दो-दलीय व्यवस्था से आजादी चाहते हैं?÷ इस पोल में 12 लाख से अधिक यूजर्स ने भाग लिया और भारी बहुमत से अपना समर्थन दिया।

रिपब्लिकन पार्टी को आशंका है कि एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच यह 'पब्लिक ब्रेकअप' उनकी पार्टी को 2026 के मिड-टर्म चुनावों में भारी नुकसान पहुंचा सकता है। अगर एलन मस्क अपने प्रभावशाली तकनीकी नेटवर्क और धनबल से रिपब्लिकन उम्मीदवारों के खिलाफ उतरते हैं तो पार्टी की संसदीय बहुमत खतरे में पड़ सकती है।

एलन मस्क ने फिलहाल अपनी नई पार्टी के विस्तृत एजेंडे का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने यह साफ किया है कि यह पार्टी राजनीतिक स्वतंत्रता और सिस्टम से आजादी की बात करेगी। दोनों प्रमुख दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स) की विफलताओं को चुनौती देगी। टैक्सपेयर के पैसों के इस्तेमाल, शासन कुशलता और टेक्नोलॉजी आधारित गवर्नेंस पर फोकस करेगी।

इजरायल से युद्ध के बाद पहली बार दिखे अली खामनेई, कहां छिपे थे ईरान के सुप्रीम लीडर?

तेहरान। इजरायल से युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई शनिवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे हैं। वह आशूरा से जुड़े एक शोक समारोह में शामिल हुए। खामेनेई के सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने से नेतृत्व पर सवाल उठने लगे थे।

ईरानी राज्य टेलीविजन ने अशूरा के मौके पर आयोजित एक बड़े धार्मिक कार्यक्रम की फुटेज प्रसारित की, जिसमें खामेनेई काले पारंपरिक वस्त्रों में कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करते दिखाई दिए। उपस्थित लोगों ने 'लब्बैक या हुसैन' के नारे लगाए और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

यह सार्वजनिक उपस्थिति 13 जून को शुरू हुई जंग के बाद पहली बार है, जब खामेनेई किसी जनसमूह के बीच नजर आए। इस दौरान उन्होंने कोई प्रत्यक्ष बयान नहीं दिया था और ना ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे ते। उन्होंने रिकॉर्डेड वीडियो संदेशों के जरिए ही जनता से संवाद किया था।

क्यों छिपे थे खामेनेई?

ईरानी अधिकारियों ने पहले कहा था कि खामेनेई की गैर-मौजूदगी सुरक्षा कारणों से थी। युद्ध के पहले कुछ दिनों में जब इजरायली हवाई हमले अपने चरम पर थे, तब उनकी सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए उन्हें सार्वजनिक उपस्थिति से दूर कर दिया गया। विपक्ष और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के बीच यह चर्चा जोरों पर थी कि खामेनेई किसी बंकर या सुरक्षित स्थान पर हैं। हालांकि, ईरानी प्रशासन ने बार-बार यह स्पष्ट किया कि वे स्वस्थ और नियंत्रण में हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि खामेनेई की यह सार्वजनिक वापसी न केवल उनकी सुरक्षा के प्रति आत्मविश्वास को दर्शाती है, बल्कि यह ईरान की जनता और विरोधियों के लिए एक प्रतीकात्मक संदेश भी है। यह संदेश देने की कोशिश है ईरान का नेतृत्व जंग के बावजूद स्थिर और सक्रिय है।

तुर्किये में लोकतंत्र पर वार! विपक्ष के 3 बड़े महापौर एक साथ गिरफ्तार

अंताल्या। दक्षिणी तुर्किये के तीन प्रमुख शहरों के महापौरों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सरकारी मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। मार्च में इस्तांबुल के महापौर को जेल में डाले जाने के बाद से हिरासत में लिए गए विपक्षी नेताओं की संख्या बढ़ती जा रही है। समाचार एजेंसी 'अनादोलु की खबर के अनुसार अदियामन के महापौर अब्दुर्रहमान टुटडेरे और अदाना नगरपालिका के प्रमुख जेदान करालार को सुबह छापेमारी में हिरासत में लिया गया। दोनों मुख्य विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी या सीएचपी के सदस्य हैं।

खबर के अनुसार अंताल्या के सीएचपी महापौर मुहितिन बोसेक को अंताल्या के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय द्वारा एक अलग रिश्वतखोरी जांच में दो अन्य संदिग्धों के साथ गिरफ्तार किया गया। सीएचपी अधिकारियों को इस वर्ष गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ा है। कई लोगों का मानना है कि तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी को बेअसर करने के उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। सरकार इस बात पर जोर देती है कि अभियोजक और न्यायपालिका स्वतंत्र रूप से काम करें, लेकिन इस्तांबुल के महापौर एक्रेम इमामोग्लू की गिरफ्तारी के कारण सड़कों पर व्यापक स्तर पर प्रदर्शन हुआ।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल कारों की लाइफ कितनी?

इस्लामाबाद। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए पुराने वाहनों पर सख्त रुख अपनाया है। अब राजधानी में 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीज़ल वाहनों में ईंधन भरने पर बैन लगा दिया गया है। यह नियम ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरों की मदद से लागू किया जा रहा है। इस कदम का मकसद दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करना है। हालांकि इस नियम से लोगों में नाराज़गी है लेकिन दिल्ली सरकार का कहना है कि यह कदम लोगों की सेहत के लिए ज़रूरी है।यह सवाल उठ रहा है कि क्या पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी इस तरह का कोई नियम है और वहाँ पेट्रोल तथा डीज़ल कारों को लेकर क्या प्रावधान हैं।

पाकिस्तान में भी है पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान पहले से ही अत्यधिक महंगाई का सामना कर रहा है जहाँ आटे, तेल, दाल, चावल और गैस सिलेंडर

जैसे मूलभूत सामानों के दाम आसमान छू रहे हैं। हाल ही में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में भी उछाल आया है जिससे आम लोगों पर गहरा असर पड़ा है। पाकिस्तान में पेट्रोल और डीज़ल कारों के संबंध में कोई खास विस्तृत निर्देश तो नहीं हैं लेकिन कुछ सामान्य दिशा-निर्देश ज़रूर हैं जो कार की उम्र और इस्तेमाल को प्रभावित करते हैं।

कितने समय तक चला सकते हैं डीज़ल-पेट्रोल गाड़ियाँ?

पाकिस्तान में भी पेट्रोल और डीज़ल कारों की अधिकतम उम्र क्रमशः 15 और 10 साल निर्धारित की गई है। 15 साल से पुरानी पेट्रोल कारें और 10 साल से पुरानी डीज़ल कारों को एंड ऑफ लाइफ वाहन माना जाता है। इन वाहनों को सार्वजनिक रूप से सड़कों पर चलाने की अनुमति नहीं है। इसका मतलब है कि 10 साल से ज़्यादा की डीज़ल कारें और 15 साल से पुरानी पेट्रोल कारें चाहे उनकी फिटनेस कैसी भी हो पाकिस्तान में प्रतिबंधित हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ रहा विचार

पड़ोसी मुल्क में लगातार बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीज़ल के आसमान छूते दामों की वजह से वहाँ भी लोग अब इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों को अपनाने पर विचार कर रहे हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि पर्यावरणीय चिंताएँ और आर्थिक दबाव दोनों ही देशों को पुराने वाहनों से दूरी बनाने और वैकल्पिक ईंधन स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

अमेरिका बारिश, बाढ़ : गर्ल्स कैंप डूबा, 27 लड़कियां लापता

ड्रोन-हेलिकॉप्टर से तलाश; गवर्नर बोले- बाढ़ फिर आ सकती है

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 51 लोगों की मौत हो गई। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचाया गया। जबकि लगभग 27 लड़कियां लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं।

टेक्सास के गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया- बाढ़ का खतरा अभी भी बरकरार है। रेस्क्यू टीमें काम कर रही है। जिसमें नौ बचाव दल, 14 हेलिकॉप्टर और 12 ड्रोन शामिल है। अभी तक 850 से ज्यादा लोगों को बचाया भी गया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर टेक्सास में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण बच्चों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की।

अभी भी अचानक बाढ़ का खतरा बरकरार : टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने बाढ़ के हालात को देखते हुए इमरजेंसी हालात की चेतावनी बरकरार रखा है। ग्रेग एबॉट ने कहा- हम लापता लोगों की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह ऑपरेशन लगातार 24 घंटे तक चलता रहेगा। हम हर एक को ढूंढ निकालेंगे।

वहीं दूसरी तरफ अधिकारियों के मुताबिक, टेक्सास के सैन एंटोनियो के आसपास भारी बारिश के बीच 1,000 से ज्यादा रेस्क्यू वर्कर्स लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़) की चेतावनी अभी बनी हुई है।

बाढ़ से 2600 घरों की बिजली गुल

बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया, जिससे सड़कें डूब गईं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरू किया है।

इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी। बाढ़ की वजह से बिजली लाइनें गिर गईं और कर्विल के आसपास के इलाकों में लगभग 2,600 घरों की बिजली गुल हो गई।

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में चूक, गोल्फ क्लब के ऊपर आया विमान

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में भारी चूक की घटना सामने आई है। अमेरिकी वायु रक्षा एजेंसी नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने शनिवार को एक नागरिक विमान को स्न-16 फाइटर जेट की मदद से इंटरसेप्ट किया। यह विमान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेडमिंस्टर स्थित गोल्फ क्लब के ऊपर से उड़ान भर रहा था, जो कि उस समय अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया था। NORAD के मुताबिक, यह दिन भर में पांचवीं ऐसी घुसपैठ थी। इंटरसेप्ट के दौरान F-16 ने हेडबट रणनीति अपनाई, जिसमें लड़ाकू विमान नागरिक विमान के आगे उड़ता है ताकि उसकी ओर ध्यान आकर्षित हो सके। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से वर्जित हवाई क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया।

आपको बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों छुट्टियां मनाने के लिए न्यू जर्सी में हैं। उनकी मौजूदगी के चलते यह हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इस घटना से ट्रंप की सुरक्षा या कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा।

इससे पहले मार्च महीने में भी फ्लोरिडा में उनके निवास मार-ए-लागो के ऊपर नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन हुआ था। तब भी स्न-16 विमानों को भेजा गया था और फ्लेयर छोड़कर नागरिक विमान को चेतावनी दी गई थी।

NORAD ने बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है और सभी पायलटों से आग्रह किया है कि वे उड़ान भरने से पहले NOTAMs (नोटिस टू एयरमेन) और ञ्स्नत्र (टेम्पररी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन) की जानकारी अवश्य लें। कमांडर जनरल ग्रेगरी गिलॉट ने कहा, ÷TFR नियमों का पालन आवश्यक है ताकि विमानन सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।जनवरी 2025 से अब तक ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें नागरिक विमानों ने जानबूझकर या अनजाने में नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन किया है। अधिकतर मामलों में पायलटों को उचित जानकारी न होने के कारण ये घटनाएं होती हैं। आपको बता दें कि अमेरिका में गर्मी छुट्टी और स्वतंत्रता दिवस के कारण हाल के हफ्तों में निजी विमानों की आवाजाही बढ़ी है, जिससे इन क्षेत्रों में सतर्कता और भी जरूरी हो गई है।

दुनिया भर में घट रही है प्रजनन दर, रूस ही नहीं ये देश भी बच्चे पैदा करने के लिए दे रहे हैं प्रोत्साहन

मास्को। रूस के कुछ हिस्सों में गर्भवती होने वाली स्कूल की लड़कियों को एक लाख रूबल (करीब 1,08,500 रुपये से) अधिक का भुगतान किया जा रहा है, ताकि वे बच्चों को जन्म दें और उनका पालन-पोषण करें। इसे प्रोनैटलिज्म कहा जाता है। यह प्रोत्साहन रूस की नई जनसांख्यिकीय रणनीति का हिस्सा है। यह नीति मार्च 2025 में वयस्क महिलाओं के लिए लागू की गई थी और इसका उद्देश्य देश की जन्म दर में हो रहे नाटकीय गिरावट पर अंकुश लगाना है।

2023 में रूस में प्रति महिला जन्म की संख्या 1.41 थी, जो जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए जरूरी 2.05 के स्तर से काफी कम है। किशोर लड़कियों को बच्चों को जन्म देने के लिए पैसे देना रूस में विवादास्पद है।

हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, 43 प्रतिशत

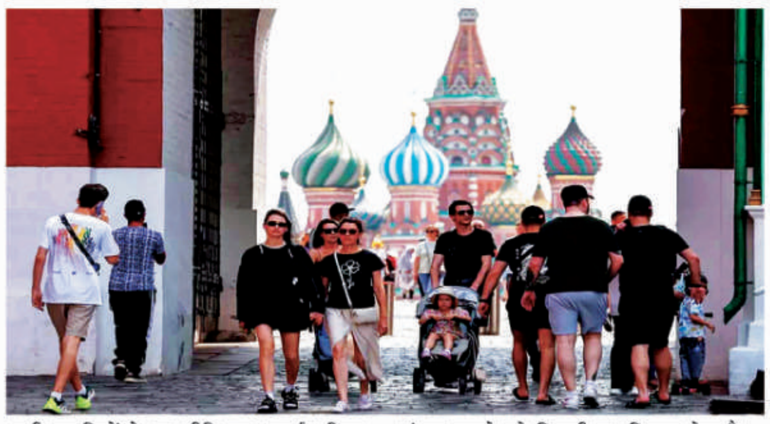

रूसी नागरिकों ने इस नीति का समर्थन किया है, जबकि 40 प्रतिशत इसके खिलाफ हैं। यह इस बात का संकेत है कि राज्य बच्चों की संख्या बढ़ाने को कितनी प्राथमिकता देता है।

युद्ध की वजह से घटी रूस की जनसंख्या रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक बड़ी जनसंख्या को एक समृद्ध महान शक्ति के संकेतों में से एक मानते हैं। हालांकि, यूक्रेन पर हमले और उसके क्षेत्र पर कब्जा करने के प्रयासों ने रूस की जनसंख्या को घटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। युद्ध में मारे गए रूसी सैनिकों की संख्या 2,50,000 तक पहुंच गई है। हालांकि युद्ध की वजह से बड़ी संख्या में शिक्षित रूसी नागरिक देश छोड़ की चले गए हैं।

रूस की जनसांख्यिकीय स्थिति अत्यंत गंभीर है, लेकिन जन्म दर में गिरावट अब एक वैश्विक प्रवृत्ति बन गई है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया के तीन चौथाई से अधिक देशों में इतनी कम प्रजनन दर होगी कि वे अपनी जनसंख्या को बनाए नहीं रख पाएंगे।

पुतिन अकेले नहीं हैं। विश्व के अन्य नेता भी महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियां लागू कर रहे हैं। हंगरी में विक्टर ओर्बन की सरकार तीन या अधिक बच्चों वाले परिवारों को कर में छूट और सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन दे रही है। पोलैंड में दो या अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रति बच्चे 500 ज्लाटी (101) का मासिक भुगतान किया जाता है।अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप महिलाओं को बच्चे पैदा करने के लिए 5,000 डलर भुगतान करने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उनका यह प्रस्ताव मेक अमेरिका ग्रेट अगेन को बढ़ावा देने से जुड़ा है। एलन मस्क और दूसरे लोगों ने भी इसका समर्थन किया है। इस प्रयास का मकसद महिलाओं को बड़े परिवार के लिए प्रेरित करना है।विश्व में प्रोनैटलिज्म की नीतियों का प्रभाव मिश्रित रहा है। कोई भी देश जन्म दर में गिरावट को उलटने का आसान तरीका नहीं खोज पाया है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर
सीधी, सोमवार 07 जुलाई 2025

नगर निगम रीवा, व्यापारी महासंघ रीवा, सिन्धी सेंट्रल पंचायत, और सिन्धु भवन ट्रस्ट रीवा के संयुक्त तत्वाधान में आज शहर के हृदय स्थल सिन्धु भवन प्रांगण में पौधारोपण किया गया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर पार्टी नेताओं ने पौधा रोपण कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पुण्य स्मरण किया

रीवा। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर पार्टी नेताओं ने पौधारोपण कर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का पुण्य स्मरण किया। भाजपा कार्यालय अटल कुंजमें डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर सांसद जनार्दन मिश्रा भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने माल्यार्पण कर डॉ. मुखर्जी अमर रहे के उदघोष किए। रीवा जिले के मंडल स्तर पर कार्यक्रम संपन्न हुए।

मुखर्जी के संकल्प को मोदी जी ने पूरा किया = जनार्दन मिश्रा

भाजपा कार्यालय में आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा नेकहा कि जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का आज जन्मदिन है। उनके चरणों में हम श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। उन्हीं के बताए मार्ग पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपा सरकार चल रही है। श्रद्धेय मुखर्जी ने जो संकल्प लिया था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। उसके लिए उन्होंने अपना बलिदान दिया। मुखर्जी के इस संकल्प को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है। कश्मीर में अब दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं है। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमारा मुकुट मणि है तो यह डॉ. मुखर्जी की बदौलत है। श्री मिश्र ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के संकल्प और उनके बताए मार्ग पर बीजेपी की केंद्र प्रदेश सरकार विकास कार्यों में लगी है।

भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा किडॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। वे एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे।

उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो आज में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है श्री गुप्त नेकार्यकर्ताओं को उनका जीवन चरित्र को आत्मसात करने के साथ आज जयंती के अवसर पर उनके बताए हुई मूल्यों को जीवन में उतरने की अपील की कार्यक्रम का सफल संचालन विवेक गौतम ने किया सभी उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर वरिष्ठ नेता कमलेश्वर सिंह पांचूलाल प्रजापति राजेंद्र पांडेराजेंद्र ताम्रकार नारायण मिश्रा राजगोपालाचारी श्रीमती विमलेश मिश्रा माया सिंह उमाशंकर पटेलश्रीमती विभा पटेल कल्पना श्रीवास्तव हेमलता सिंह पूर्णिमा मिश्रा रवीना साकेत, योगेंद्र शुक्ला राजेन्द्र त्रिपाठी, गौरव तिवारी, मुक्ति राय, संजय मिश्रा, शरद साहू, राजेश सिंह, रोशनी मैत्रेय, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष रविराज विश्वकर्मा, जैनेन्द्र मिश्रा, परशुराम गौतम महेंद्र त्रिपाठी छत्रपाल सिंह बृजेंद्र गौतम हिमांशु गुप्ता विनय तिवारी मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी गौरव पांडेअमरेश पांडेमहेन्द्र त्रिपाठी, राहुल मिश्रा बुद्धसेन नापित, मोहित गुप्ता, संजीव गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता, बालेन्द्र गौतम, रमेश कुशवाहा,, सहित सैकड़ों पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ताके नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जलबद्री आश्रम बार कोठारमे बृहद वृक्ष रोपण किया

मंडल में आयोजित कार्यक्रमों में पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेता हुए शामिल रीवा जिले के सभी मंडलों में डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी की जयंती गरिमा के साथ मनाई गई।

परिवहन विभाग की अवैध संचालित स्कूल और यात्री बसों के खिलाफ सख्त कार्यवाही

रीवा। जिले में परिवहन विभाग ने अवैध रूप से संचालित स्कूल बसों और यात्री बसों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाकर कड़ा कदम उठाया है, जिसने रीवा नौबस्ता मार्ग पर नगर निगम से संचालित सिटी बस बिना परमिट के जप्त की गई।परिवहन विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए यात्रियों और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।अवैध बसों पर नकेल कसी है ।हाल ही में, परिवहन विभाग रीवा ने जिले भर में वाहन चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें बिना परमिट और बिना आवश्यक दस्तावेजों के संचालित हो रही यात्री बसों और स्कूल बसों को लक्षित किया गया। सूत्रों के अनुसार, कई स्कूल बसो की शिकायत मिली की वह माननीय सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार नहीं चल रही थीं, जो बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा थीं। इसके अलावा, कुछ यात्री बसें बिना किराया सूची चस्पा किए और निर्धारित किराए से अधिक वसूलते हुए पकड़ी गईं।परिवहन सुरक्षा दस्ते ने सुहागी टोल गोविंदगढ सतना मार्ग के साथ अन्य प्रमुख मार्गों पर चेकिंग के दौरान कई बसों के ऊपर चलानी कार्यवाही की । इनमें से कुछ बसें रीवा से सिरमौर, जवा, डभौरा, और प्रयागराज जैसे मार्गों पर चल रही थीं, जहां यात्रियों से मनमाने ढंग से किराया वसूला जा रहा था। परिवहन विभाग की टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की। कई वाहनों को जप्त किया गया, और उनके मालिकों पर शमन शुल्क अधिरोपित किया गया।परिवहन आयुक्त के निर्देश पर यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, ताकि अवैध खनिज परिवहन और क्षमता से अधिक भार ढोने वाले वाहनों पर भी नजर रखी जा सके।

रीवा आरटीओ के अधिकारियों ने बताया कि अवैध रूप से संचालित बसें न केवल सरकारी नियमों का उल्लंघन करती हैं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में यात्रियों और छात्रों के लिए जोखिम भरी हो सकती हैं। ऐसी बसों में फिटनेस की कमी और अनुचित रखरखाव के कारण हादसों का खतरा बढ़ जाता है। परिवहन विभाग ने यह भी कहा कि अवैध वसूली और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी । रीवा के रतहरा और चोरहटा बाईपास पर पहले भी अवैध वसूली की शिकायतें सामने आ चुकी हैं, जिस पर स्थानीय प्रशासन को और सख्ती बरतने की मांग उठ रही है। रीवा आरटीओ का यह अभियान न केवल नियमों का पालन सुनिश्चित करेगा, बल्कि जिले में सुरक्षित और व्यवस्थित परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देगा। विभाग द्वारा आगामी दिनों में और सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा इन कार्रवाई के दौरान ग्यारह वाहनों से 56, हज़ार रुपया का श्मन शुल्क वसूल किया गया ।

टीएल बैठक आज

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 7 जुलाई को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में टीएल बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के साथ ही आरबीसी के अन्तर्गत राहत एवं सीमांकन से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की जायेगी। बैठक में विभागीय अधिकारी तथा जिले के समस्त तहसीलदार भी उपस्थित रहेंगे।

कमिश्नर आज करेंगे रीवा नगर निगम के कार्यों तथा बाढ़ तैयारियों की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर रीवा संभाग श्री बीएस जामोद 7 जुलाई को सुबह 11 बजे रीवा नगर निगम के निर्माण कार्यों, शासन की प्राथमिकता वाली विभिन्न योजनाओं तथा विभागीय गतिविधियों के साथ ही बाढ़ की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। यह बैठक नगर निगम सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में आयुक्त नगर निगम तथा संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

जिले में अब तक 162.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में एक जून से अब तक 162.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 191.8 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 123.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 262 मिलीमीटर, सिरमौर में 218.2 मिलीमीटर, त्योंथर में 67 मिलीमीटर, सेमरिया में 175 मिलीमीटर, मनगवां में 148 मिलीमीटर तथा जवा में 118 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 77.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी।

रीवा जिले में 17 पंच पदों के उपनिर्वाचन हेतु सूचना का प्रकाशन हुआ

रीवा। त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2025 (पूर्वार्द्ध) के तहत रीवा जिले की ग्राम पंचायतों के 17 रिक्त पंच पदों के लिये उप निर्वाचन हेतु गत एक जुलाई को निर्वाचन की सूचना एवं आरक्षण की सूचना तथा मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।

सिन्धु भवन ट्रस्ट रीवा के संयुक्त तत्वाधान में सिन्धु भवन प्रांगण में किया गया पौधा रोपण

रीवा। नगर निगम रीवा, व्यापारी महासंघ रीवा, सिन्धी सेंट्रल पंचायत, और सिन्धु भवन ट्रस्ट रीवा के संयुक्त तत्वाधान में आज शहर के हृदय स्थल सिन्धु भवन प्रांगण में पौधारोपण किया गया। यह कार्यक्रम नगर निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे और भारतीय जनता पार्टी रीवा जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता और सिंधी सेंट्रल पंचायत, सिंधु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष सिंधु रत्न दादा प्रहलाद सिंह की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रशासन द्वारा शहर में कुल 1 लाख पौधों का रोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें इस अभियान में रीवा व्यापारी महासंघ द्वारा 5000 पौधे विभिन्न प्रजातियों के उपलब्ध कराए गए, जिसके लिए निगम आयुक्त ने महासंघ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सिंधी सेंट्रल पंचायत की ओर से निगम आयुक्त का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंटकर अभिनंदन किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम के उपरांत सिंधु भवन में हाल ही में आयोजित यूपीएससी काउंसलिंग सेमिनार में भाग लेने वाले बच्चों से आयुक्त ने भेंट की और उन्हें सिविल सेवाओं की तैयारी, लक्ष्य निर्धारण एवं सफलता के मंत्र बताए। उन्होंने अपनी प्रशासनिक यात्रा के अनुभव साझा करते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि सही दिशा, समर्पण और निरंतर सुधार से कोई भी कठिनाई सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। इस कार्यक्रम में सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष दादा प्रहलाद सिंह जी, वरिष्ठ समाज सेवी लद्दाराम ठारवानी, कोषाध्यक्ष चंदीराम केसवानी सिंधु भवन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष कन्हैया लाल मंगलानी नंदलाल कोटवानी, परसराम कोटवानी, सुदामलाल सचदेव, गिरधारी लाल गंगवानी, रमेश दुबे, सुशील कुंगवानी ,राजकुमार टिलवानी अजीत आहूजा, प्रहलाद चेलानी, किशोर विधवानी, दीपक दुर्गिया, रीवा व्यापारी महासंघ से संजीव गुप्ता, गुलाब साहनी, महेश हीरवानी, हरीश वाधवानी, वेद प्रकाश गुप्ता, प्रकाश गुप्ता, जितेंद्र शाह, प्रभात सोनी बंटी, अंशुमन गुप्ता, अशोक आवतानी, शहर के प्रतिष्ठित नागरिक, व्यापारी और नगर निगम की टीम उपस्थित रही। नगर निगम आयुक्त डॉ. सोनवणे ने कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागी संगठनों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर शहर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने में योगदान दें।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी दूरदृष्टि वाले राष्ट्र नायक थे : गिरीश

मऊगंज। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर मऊगंज भाजपा कार्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसको संबोधित करते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विधायक गिरीश गौतम ने कहा कि कांग्रेस ने देश का बंटवारा और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 लगाकर देश की जनता के साथ पाप किया। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता के लिए बलिदान दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। वे एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। कार्यक्रम को रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने संबोधित करते हुएकहा कि भाजपा और देश जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संघर्षों व आदर्शों को हमेशा याद रखेगा। डॉ. मुखर्जी शिक्षाविद कानून विधि के साथसमाज सुधारक और राष्ट्रवाद से प्रेरित महान व्यक्तित्व के धनी थे हम सब कार्यकर्ताओं को उनकेबताए मार्ग पर चलकर जनता की सेवा के संकल्प को और दृढ़ करना चाहिए कार्यक्रम को संबोधित करते हुएभाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी देश की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता के पक्षधर थे। उन्होंने देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए नई दिशा, नये विचार दिये। आज हमें उनके विचारों और मूल्यों को आत्मसात करने की जरूरत है हम सभी भाजपा कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्रप्रथम की भावना के साथ देश और समाज की सेवा में सदैव तत्पर रहे हैं। डॉ. मुखर्जी के त्याग, तपस्या और बलिदान से ही भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन सका है। भाजपा नेताओं द्वारा कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया.कायक्रमों के दौरान वरिष्ठ नेता डॉ एस एस तिवारी जिलाउपाध्यक्ष जय प्रकाश मिश्रा प्रकाश चौरसिया, अवधबिहारी पाण्डेय, जिला महामंत्री महेंद्र सिंह सरिता पटेल बी आर शैलानी जिला मंत्री सनद पटेल अशोक साकेत मंडल अध्यक्ष अमित सिंह सुनील शुक्ला मुरलीधर द्विवेदी मुन्द्रिका पटेल विनोद कोल विभा शर्मा नागेंद्र पटेल लवकुश सिंह नईगढ़ी नगर परिषद अध्यक्ष नागिता गुप्ता, बृजेन्द्र गुप्ता शिवेंद्र पाठक कीर्ति कुमार मिश्रा संतोष अवधिया राजेश सर्राफ भरत पाण्डेय सुशीला दुबे शिवपूजन शुक्ला राजू कोल रामदरश पटेल सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रा.आजी.संविदा कम.संघ ने अपनी मांगों का ज्ञापन देवतालाब एवं त्योथर विधायक को सौपा ज्ञापन

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव एवं रीवा जिलाध्यक्ष रघुवरशरण चतुर्वेदी कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं देवतालाब विधायक श्री गिरीश गौतम एवं त्योथर विधायक सिद्धार्थी तिवारी से मुलाखात कर मांग पत्र सौपा। मांग पत्र में मांग की गई है कि म.प्र.सरकार के द्वारा वर्ष 2023 में ग्रामीण आजीविका संविदा कर्मचारी संघ के लिए नीति निर्धारण किया था लेकिन उसका पालन सरकार के द्वारा आज दिनांक तक नहीं कराया गया जिसे तत्काल करवाया जाय। मान.पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम एवं त्योथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर नीति निर्धारण कराने का आश्वासन दिया। मांग पत्र के समय जिला सचिव रश्मि शुक्ला, उमेश तिवारी, प्यारेलाल पटेल, नीतू सिंह, शिवनाकर सिंह, प्रकाश पाण्डेय, प्रियरंजन पाण्डेय, रीता मिश्रा, अविनाश पटेल, तबस्सुम अंसारी, भूपेन्द्र शुक्ला, मनीष मिश्रा, पंकज पयासी, श्रवण मिश्रा, प्रतीक तिवारी, प्रमिला गौतम आदि उपस्थित रहे।

अग्रगामी किसान सभा म.प्र.ने संयुक्त ट्रेड यूनियन की हड़ताल का किया समर्थन

रीवा। अग्रगामी किसान सभा मध्य प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष सुखनन्दन सिंह गहरवार ने संयुक्त ट्रेड यूनियन के आह्वान पर आगामी 9 जुलाई को आयोजित होने वाली अखिल भारतीय हड़ताल का समर्थन करते हुए मध्य प्रदेश में बढ़-चढ़कर भाग लेने की बात कही। उन्होने कहा कि अग्रगामी किसान सभा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सभी फसलों की खरीदी व स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की मांग को उठा रहा है वावजूद इसके केन्द्र सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर आंखे मूदे हुए है। श्री सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जिस तरीके से बिजली का निजीकरण किया जा रहा है उससे किसानों को बिजली कंपनियों को लूटने का पूरा मौका मिलेगा और स्मार्ट मीटर के नाम पर निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने की सरकार की योजना है जिसका डटकर विरोध किया जायेगा।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ की बैठक संपन्न

रीवा। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ जिला रीवा मप्र के जिला अध्यक्ष रमेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में 2 बजे विवेकानंद पार्क रीवा में आवश्यक बैठक संपन्न हुई। उक्तशय की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी पुष्पेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष भरत पटेल के आह्वान पर पूरे प्रदेश में 13 जुलाई को शिक्षक स्वाभिमान रैली का आयोजन कर माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर रीवा को सौंपा जायेगा जिसकी पूर्व तैयारी हेतु पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जवा ब्लॉक के 338 सहायक अध्यापकों का राज्य शिक्षा सेवा अंतर्गत प्राथमिक शिक्षक पद पर नियुक्ति कराए जाने, ई अटेंडेंस बंद कराए जाने, शासकीय सेवकों की भांति ओपीएस लागू कराए जाने, पदोन्नति नियम 2025 अनुसार रिक्त पदों के विरुद्ध वरिष्ठता क्रम अनुसार पदोन्नति कराए जाने, सहित बीमा, ग्रेज्युटी का लाभ दिलाए जाने आदि मांगों पर विचार विमर्श किया गया तथा निर्णय लिया गया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में शिक्षक उपस्थित होकर शिक्षक स्वाभिमान रैली का सफल आयोजन किया जाय। बैठक में रामायण प्रसाद पाण्डेंयि को जिला उपाध्यकक्ष नियुक्त, किया गया। बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेश सिंह, विष्णु शर्मा, संजय सिंह, अर्जुन सिंह, मनीष चंदानन, स्वतंत्र प्रकाश चतुर्वेदी, रजनीश तिवारी, पुष्पराज गिरि, धरणीश द्विवेदी, धीरेश दुबे, बद्री प्रसाद चतुर्वेदी, रामदयाल साकेत, हरगोविंद नामदेव सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

भारतीय हिन्दू महासंघ की बैठक सम्पन्न

रीवा। भारतीय हिन्दू महासंघ की बैठक जिलाध्यसक्ष संजीव कुमार सोनी की अध्यलक्षता में सम्पन्न हुई जिसमे संगठन विस्तार पर जोर देते हुए जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सोनी ने कहा की संगठन का पूरे जिले में बिस्तार किया जाय इसमें कार्यकर्ता अपने अपने संगठन क्षमता का प्रयोग करे। बैठक मे पंचमठ धाम आश्रम के पीठाधीश्वर बिजय शंकर ब्रम्हचारी जी महाराज ने अपने विचार रखते हुए कहा कि देश के सभी सनातनीयो को एकजुट रहने का आवाहन किया। बैठक के पश्चात प्रसाद का वितरण भी किया गया। बैठक मे पिंटू सोनी, अमित सिंह, सतीश सोन, सत्य प्रकाश कौशल, अतुल त्रिपाठी, बृजेश सोनी, प्रकाश, नारायण ताम्रकार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मऊगंज जिले में अब तक 498 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

मऊगंज। मऊगंज जिले में एक जून से अब तक 498 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिले में 6 जुलाई को 66 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इस दिन तहसील मऊगंज में 121 मिलीमीटर, हनुमना में 43 मिलीमीटर तथा नईगढ़ी में 34 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि एक जून से अब तक तहसील मऊगंज में 393.2 मिलीमीटर, हनुमना में 605.3 मिलीमीटर तथा नईगढ़ी में 495.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 154.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833